Email : ideacitinews@gmail.com

एक नये कल के लिए एक नई आवाज

www.ideacitinews.com



आइडियासिटी

वर्ष : 5, अंक : 322

शनिवार, 28 नवंबर, 2026



पटना की हवा में घुला जहर, नालंदा राजगीर तक पहुंची प्रदूषण की आहट

कहीं सांसों पर संकट तो कहीं अब भी राहत

पटना/बिहारशरीफ । सर्दियों की सुबह हो, सड़क पर हल्की धुंध छाई हो और लोग रोज की तरह अपने काम पर निकल रहे हों, तो शायद ही किसी को एहसास होता हो कि जिस हवा में वे सांस ले रहे हैं, उसमें प्रदूषण के कण भी घुले हो सकते हैं। लेकिन बिहार के ताजा वायु गुणवत्ता आंकड़े एक ऐसी तस्वीर दिखा रहे हैं, जिस पर पटना से लेकर नालंदा तक के लोगों को गौर करने की जरूरत है। राजधानी पटना में हवा की गुणवत्ता लगातार उतार-चढ़ाव के दौर से गुजर रही है। वहीं, ऐतिहासिक नगरी राजगीर और बिहारशरीफ जैसे इलाकों में भी प्रदूषण की दस्तक महसूस होने लगी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के 27 नवंबर के आंकड़ों के मुताबिक, पटना के मुरादपुर में AQI 281 दर्ज किया गया, जो राज्य में दर्ज प्रमुख शहरों में सबसे अधिक रहा। यानी राजधानी का यह इलाका खराब वायु गुणवत्ता की श्रेणी में पहुंच चुका है। दरभंगा में AQI 280, मधुबनी में 260 और अररिया में 223 दर्ज किया गया। इन आंकड़ों ने उत्तर बिहार की हवा को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है। राजधानी का औसत AQI 183 दर्ज किया गया। हालांकि अलग-अलग इलाकों में प्रदूषण का स्तर अलग रहा। दानापुर में 142, पटना सिटी में 176, राजवंशी नगर में 163 और समनपुरा में 153 AQI रिकॉर्ड किया गया। यानी पटना के अलग-अलग मोहल्लों में रहने वाले लोगों को हवा की गुणवत्ता के अलग-अलग हालात का सामना करना पड़ रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि नवंबर में पटना की हवा ने राहत के दिन भी दिखाए थे। एक नवंबर को AQI 59, दो नवंबर को 77, 22 नवंबर को 95 और 23 नवंबर को 84 दर्ज किया गया था। लेकिन अब फिर प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगा है।

आइडियासिटी संवाददाता



राजधानी के मुरादपुर में AQI 281 के साथ बिहार में सबसे खराब हवा, दरभंगा 280 और मधुबनी 260 पर

नालंदा के राजगीर में 101 पहुंचा प्रदूषण स्तर, बेगूसराय भी मध्यम प्रदूषित श्रेणी में

नालंदा और राजगीर पर भी नजर रखना जरूरी

पटना की प्रदूषित हवा के बीच नालंदा जिले के लिए भी यह आंकड़ा ध्यान देने योग्य है। राजगीर में AQI 101 दर्ज किया गया, जो मध्यम प्रदूषित श्रेणी की शुरुआत है। वहीं बेगूसराय में 105 AQI रिकॉर्ड हुआ। हालांकि ये आंकड़े पटना और उत्तर बिहार के सबसे प्रदूषित इलाकों से कम हैं, लेकिन इन्हें पूरी तरह स्वच्छ हवा का संकेत भी नहीं माना जा सकता। खासकर राजगीर जैसे पर्यटन स्थल के लिए हवा की गुणवत्ता महत्वपूर्ण है, जहां देश-दुनिया से पर्यटक पहुंचते हैं। बिहारशरीफ और आसपास के शहरी इलाकों में भी बदलते मौसम के बीच वायु गुणवत्ता पर निगरानी जरूरी है।



आखिर सर्दियों में क्यों बिगड़ने लगती है हवा?

प्रदूषण की इस बदलती तस्वीर के पीछे केवल वाहनों का धुआं नहीं है। निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, औद्योगिक उत्सर्जन और मौसम की परिस्थितियां भी इसके लिए जिम्मेदार होती हैं। तापमान गिरने और हवा की रफ्तार कम होने से प्रदूषक कण वातावरण में ऊपर फैलने के बजाय जमीन के नजदीक जमा होने लगते हैं। सुबह की धुंध और कोहरा कई बार इन प्रदूषकों के जमाव को और गंभीर बना देते हैं। इसलिए पटना के लोगों के लिए मुरादपुर का 281 AQI महज एक आंकड़ा नहीं, बल्कि सतर्क रहने का संकेत है। वहीं नालंदा और राजगीर के लोगों को भी अभी से सावधानी और प्रदूषण नियंत्रण पर ध्यान देने की जरूरत है। आखिर सांसें किसी एक शहर की नहीं होतीं। पटना हो या बिहारशरीफ, राजगीर हो या बेगूसराय, साफ हवा हर नागरिक की जरूरत है। विकास की रफ्तार तभी सार्थक होगी, जब शहरों की सड़कों के साथ उनकी हवा भी बेहतर होगी।

कहीं साफ हवा, तो कहीं प्रदूषण का पहरा

बिहार में प्रदूषण की तस्वीर हर जिले में एक जैसी नहीं है। समस्तीपुर में AQI 67 और सासाराम में 78 दर्ज किया गया, जो संतोषजनक श्रेणी में है। किशनगंज की हवा भी संतोषजनक बताई गई है। वहीं मध्यम प्रदूषित श्रेणी में भागलपुर 184, गोपालगंज 166, सीतामढ़ी 164, बक्सर 158, अररिया 157, हाजीपुर 155, गया 153, कटिहार 145, मुजफ्फरपुर 129, मुंगेर 127, औरंगाबाद 120 और छपरा 119 पर रहे।

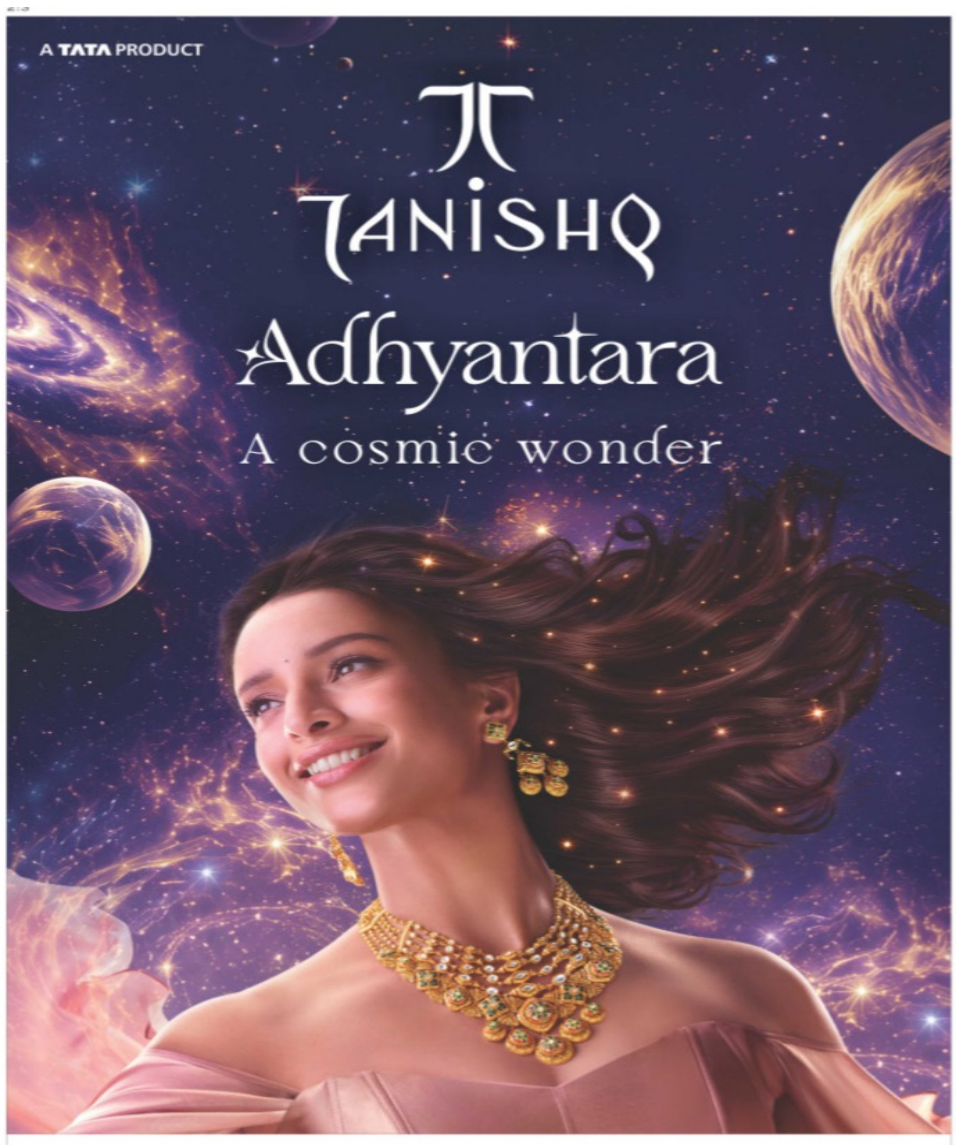

नशामुक्त बिहार की मुहिम में जीविका दीदियों की बड़ी भागीदारी, गांव-गांव चला जागरूकता अभियान

एक महीने में 6.38 लाख से अधिक गतिविधियां, रैली, शपथ और समूह बैठकों से शराब-तंबाकू के नुकसान बताए



आइडियासिटी संवाददाता

पटना। नशे के खिलाफ लड़ाई अब केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि गांवों में सामाजिक बदलाव की मुहिम बनती दिखाई दे रही है। बिहार में 27 अक्टूबर से 26 नवंबर तक चले विशेष नशामुक्त बिहार अभियान में जीविका दीदियों ने गांव-गांव जागरूकता की कमान संभाली। एक महीने के दौरान 6.38 लाख से अधिक जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से करोड़ों लोगों तक नशे के दुष्परिणामों का संदेश पहुंचाने की पहल की गई। अभियान के तहत स्वयं सहायता समूहों, ग्राम संगठनों और संकुल स्तरीय संघों की बैठकों में शराब, तंबाकू, गुटखा और अन्य नशीले पदार्थों से होने वाले स्वास्थ्य, आर्थिक और पारिवारिक नुकसान पर चर्चा हुई। रैलियों, सामुदायिक कार्यक्रमों और शपथ ग्रहण के जरिए लोगों को नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।सतत जीविकोपार्जन योजना के लाभार्थियों को भी अभियान से जोड़ा गया। परिवारों को नशे पर खर्च होने वाली राशि शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और रोजगार पर लगाने का संदेश दिया गया। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों गठित स्वयं सहायता समूहों की दीदियों ने इस अभियान को जनआंदोलन का रूप दिया है। उन्होंने सामुदायिक भागीदारी को नशामुक्त समाज के निर्माण की मजबूत नींव बताया।

बिहारशरीफ समेत 13 जिलों से दिल्ली के लिए सालभर चलेंगी बसें, 18 मार्गों पर शुरू हुई नियमित सेवा

अब पर्व-त्योहार में स्पेशल बसों का इंतजार नहीं, 149 डीलक्स बसों की व्यवस्था

पटना-दिल्ली का किराया 1615 से 2919 रुपये तक

आइडियासिटी संवाददाता



पटना। बिहार से दिल्ली जाने वाले लाखों यात्रियों के लिए अब त्योहारों का इंतजार खत्म होने जा रहा है। नौकरी, पढ़ाई, कारोबार या रोजमर्रा के काम से राजधानी दिल्ली आने-जाने वालों को अब ट्रेन में कन्फर्म टिकट की जद्दोजहद के बीच बसों का भी नियमित विकल्प मिलेगा। बिहार के 13 जिलों से दिल्ली के लिए सालभर बस सेवा शुरू कर दी गई है। शुक्रवार को दिल्ली के कश्मीरी गेट आईएसबीटी पर दोनों राज्यों के परिवहन मंत्रियों और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने संयुक्त रूप से बसों को हरी झंडी दिखाई। इस सेवा के तहत बिहार के 18 मार्गों पर बसों का परिचालन होगा। पटना से चार, मुजफ्फरपुर और गया से दो-दो तथा बिहारशरीफ, भागलपुर, नवादा, दरभंगा, पूर्णिया समेत अन्य जिलों से एक-एक मार्ग निर्धारित किया गया है। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम ने इसके लिए 149 डीलक्स बसें खरीदी हैं, जिनमें 75 नॉन एसी और 74 एसी बसें शामिल हैं। इसके अलावा पीपीपी मोड पर 150 बसें भी चलेंगी। किराये की बात करें तो पटना से दिल्ली का सफर नॉन एसी सीटर में 1615 रुपये, नॉन एसी स्लीपर में 1715 रुपये, एसी सीटर में 1980 रुपये और एसी स्लीपर में 2919 रुपये में किया जा सकेगा। वहीं, मुजफ्फरपुर से दिल्ली का किराया 1470 रुपये और गया से 1555 रुपये से शुरू होगा। मोतिहारी से दिल्ली का शुरुआती किराया 1429 रुपये है।परिवहन मंत्री दामोदर रावत के अनुसार, पहले पर्व-त्योहारों में विशेष बसें चलाई जाती थीं, लेकिन यात्रियों की मांग को देखते हुए अब नियमित सेवा शुरू की गई है। ऑनलाइन टिकट बुकिंग और समय-सारणी की जानकारी bsrtc.bihar.gov.in पर मिलेगी। यात्री 1800-345-7251 पर भी संपर्क कर सकेंगे। यानी अब बिहार से दिल्ली का सफर सिर्फ छठ-दिवाली का इंतजार नहीं करेगा, बल्कि साल के हर मौसम में यात्रियों के लिए बस का विकल्प उपलब्ध रहेगा।

बिहार में फिर गुलजार होंगी चीनी मिलें! गन्ने की खेती का रकबा बढ़ाने की तैयारी, गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन पर जोर

वारिसलीगंज और मोतीपुर में नई चीनी मिलों की संभावनाएं तलाश रही सरकार

आइडियासिटी संवाददाता



पटना। बिहार में चीनी उद्योग को नई जिंदगी देने और किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए गन्ना उद्योग विभाग ने तैयारी तेज कर दी है। बंद पड़ी चीनी मिलों को दोबारा चालू करने के साथ गन्ने की खेती का रकबा बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को बामेती परिसर में पहली बार राज्यस्तरीय गन्ना बीज उत्पादन कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्घाटन गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार ने किया। मंत्री ने कहा कि चीनी मिलों को सुचारु रूप से चलाने के लिए पर्याप्त गन्ना उत्पादन जरूरी है। वारिसलीगंज और मोतीपुर जैसे क्षेत्रों में नई चीनी मिलों की संभावनाओं पर भी काम हो रहा है। किसानों को कृषि यंत्रों की खरीद पर 50 से 80 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। विभागीय सचिव धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि राज्य की चीनी मिलें औसतन करीब 100 दिन ही चल पाती हैं, जबकि इन्हें 140 से 150 दिन चलाने की जरूरत है। ईख आयुक्त अनिल कुमार झा के अनुसार, बिहार में करीब पांच लाख एकड़ में गन्ने की खेती होती है। लगभग 40 बीज उत्पादक किसानों को दो करोड़ पौधे तैयार करने का लक्ष्य दिया गया है। कार्यशाला में रोगमुक्त बीज, वैज्ञानिक नर्सरी, बीजोपचार और आधुनिक खेती की तकनीकों पर चर्चा हुई। किसानों की सहायता के लिए गन्ना साथी चैटबॉट और गन्ना रथ भी संचालित किए जा रहे हैं।

बिहार में हवाई सफर को मिलेगी नई उड़ान, 2030-31 तक सोनपुर और अजगैबीनाथ में बनेंगे दो नए एयरपोर्ट

पटना टर्मिनल का काम पूरा, दरभंगा में 3700 मीटर का रनवे

रक्सौल, पूर्णिया और गया एयरपोर्ट का भी होगा विस्तार

आइडियासिटी संवाददाता



पटना। आने वाले वर्षों में बिहार का हवाई नक्शा पूरी तरह बदलने की तैयारी है। राज्य में हवाई संपर्क मजबूत करने के लिए दो नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का निर्माण वर्ष 2030-31 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें सोनपुर और भागलपुर-मुंगेर क्षेत्र का अजगैबीनाथ धाम शामिल है। इसके अलावा पटना, गया, दरभंगा, पूर्णिया और रक्सौल एयरपोर्ट के विकास एवं आधुनिकीकरण का काम भी तेजी से चल रहा है। शुक्रवार को सूचना भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में सिविल विमानन विभाग के सचिव नीलेश रामचंद्र देवरे ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उन्नयन पूरा हो चुका है, जबकि दरभंगा में नया टर्मिनल और करीब 3700 मीटर लंबा रनवे तैयार किया जा रहा है। इसे 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। पूर्णिया में कार्गो कॉम्प्लेक्स और एयरोसिटी के लिए लगभग 567 एकड़ जमीन अर्जित करने की तैयारी है। गया एयरपोर्ट पर कैट-1 लाइटिंग लगने से कम दृश्यता में भी विमान उतर सकेंगे। वहीं, रक्सौल में 139 एकड़ अतिरिक्त जमीन का अधिग्रहण पूरा हो चुका है। मुजफ्फरपुर, वाल्मीकिनगर, वीरपुर और सहरसा एयरपोर्ट के विकास की योजनाएं भी आगे बढ़ रही हैं।

सोनपुर मेले में तीन हजार रुपये में मिलेगा शाही ठाठ, मिनी दरबारी और राजबाड़ी कॉटेज होंगे खास आकर्षण

वातानुकूलित स्विस कॉटेज में ठहरने का मिलेगा मौका, अटैच्ड बाथरूम से लेकर 24 घंटे बिजली-पानी और सुरक्षा की रहेगी व्यवस्था

आइडियासिटी संवाददाता



पटना। मेले की रौनक, लोक संस्कृति की खुशबू और हरिहर क्षेत्र की ऐतिहासिक विरासत के बीच अगर आपको शाही अंदाज में रात बिताने का मौका मिले तो कैसा रहेगा? विश्वप्रसिद्ध सोनपुर मेले में इस बार पर्यटकों को कुछ ऐसा ही खास अनुभव मिलने जा रहा है। यहां आने वाले सैलानियों के लिए पर्यटक ग्राम में मिनी दरबारी और राजबाड़ी नाम से वातानुकूलित स्विस कॉटेज तैयार किए जा रहे हैं। खास बात यह है कि इस शाही ठहराव के लिए भारतीय पर्यटकों को महज तीन हजार रुपये प्रति रात खर्च करने होंगे, जबकि विदेशी सैलानियों के लिए किराया पांच हजार रुपये निर्धारित किया गया है। इन कॉटेज में आधुनिक सुविधाओं के साथ शाही मेहमाननवाजी का अनुभव देने की तैयारी है। अटैच्ड बाथरूम, 24 घंटे बिजली-पानी, सुरक्षा और भोजन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। यानी दिनभर मेले में हाथियों, घोड़ों, पशु बाजार, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खरीदारी का आनंद लेने के बाद पर्यटक आरामदायक माहौल में रात गुजार सकेंगे। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम पर्यटक ग्राम को आकर्षक बनाने में जुटा है। कॉटेज संचालन के साथ रेस्तरां के लिए भी एजेंसी चयन की प्रक्रिया की गई है, ताकि ठहरने और खानपान की सुविधा एक ही परिसर में मिल सके। किराये, बुकिंग और उपलब्धता की जानकारी निगम की वेबसाइट से ली जा सकती है।

इसके लिए 8544418314 पर भी संपर्क किया जा सकता है। इस बार सोनपुर मेला सिर्फ घूमने का नहीं, बल्कि शाही मेहमान बनने का भी मौका देने जा रहा है।



पटना और राजगीर में सजेगा खेलों का महाकुंभ, 24 खेलों में उतरेंगे 5500 खिलाड़ी

1 से 10 दिसंबर तक बिहार राज्य खेल-2026 का आयोजन

आइडियासिटी संवाददाता

पटना। बिहार में खेल प्रतिभाओं को बड़ा मंच मिलने जा रहा है। आगामी 1 से 10 दिसंबर तक पटना और नालंदा के राजगीर में बिहार राज्य खेल-2026 का आयोजन होगा। इस खेल महाकुंभ में राज्य के विभिन्न जिलों से करीब 5500 खिलाड़ी 24 खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। इनके साथ 750 तकनीकी पदाधिकारी और 750 स्वयंसेवक भी आयोजन का हिस्सा बनेंगे। समारोह का उद्घाटन 2 दिसंबर को शाम पांच बजे पटना के गांधी मैदान में किया जाएगा।

आयोजन की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने समीक्षा बैठक की। उन्होंने पटना और नालंदा प्रशासन को सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा, स्वच्छ पेयजल और खिलाड़ियों के आवासन की पुख्ता व्यवस्था करने का निर्देश दिया। पटना में पाटलिपुत्र खेल परिसर, राजेंद्र नगर खेल भवन, गंगा पथ, सचिवालय स्पोर्ट्स क्लब, बिक्रम शूटिंग रेंज और यंगमैन्स इंस्टीट्यूट में प्रतियोगिताएं होंगी। वहीं नालंदा के राजगीर स्थित राज्य खेल अकादमी और कल्याण बिगहा शूटिंग रेंज भी खेल गतिविधियों के प्रमुख केंद्र होंगे। स्वास्थ्य विभाग को एंबुलेंस, मेडिकल डेस्क और आवश्यक दवाओं की व्यवस्था करने को कहा गया है। राजगीर में इतने बड़े स्तर पर खेल आयोजन से नालंदा को खेल पर्यटन और खिलाड़ियों की पहचान के लिहाज से भी नई संभावनाएं मिलने की उम्मीद है।

बिहार को मिला नया टी-20 सितारा! अल्तमिश अशरफ के बल्ले से निकले 195 रन, 14 छक्कों ने खींचा ध्यान

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बिहार के टॉप स्कोरर बने अल्तमिश

दो अर्धशतकों से दिखाई अपनी बल्लेबाजी की ताकत; गेंदबाजी में सुधार की जरूरत

आइडियासिटी कुन्दन श्रीवास्तव



पटना। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 में बिहार की टीम भले ही जीत के मोर्चे पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी, लेकिन इसी अभियान में एक खिलाड़ी ने अपनी बल्लेबाजी से भविष्य की उम्मीद जरूर जगाई। नाम है अल्तमिश अशरफ। सात मुकाबलों की सात पारियों में 195 रन बनाकर वह बिहार के सबसे सफल बल्लेबाज रहे। 27.86 की औसत और 144.44 के स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले अल्तमिश के बल्ले से 11 चौके और 14 छक्के निकले। उनके खाते में दो अर्धशतक भी दर्ज हुए। अल्तमिश की आक्रामक बल्लेबाजी की झलक जम्मू-कश्मीर, तमिलनाडु और पंजाब के खिलाफ मुकाबलों में देखने को मिली। तमिलनाडु के खिलाफ उन्होंने महज 27 गेंदों पर 45 रन ठोक दिए। वहीं पंजाब के खिलाफ 30 गेंदों पर 51 रनों की पारी खेली, जिसमें चार चौके और चार छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 170 रहा। हालांकि, इन व्यक्तिगत प्रयासों के बावजूद बिहार को पंजाब के खिलाफ जीत नहीं मिल सकी। अल्तमिश दाएं हाथ के बल्लेबाज होने के साथ ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं। हालांकि, इस टूर्नामेंट में गेंदबाजी का पक्ष कमजोर रहा। तमिलनाडु के खिलाफ तीन ओवर में 39 और हरियाणा के विरुद्ध दो ओवर में 37 रन खर्च किए। पांच ओवर में 76 रन देने के बावजूद उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। ऐसे में ऑलराउंडर के रूप में अपनी पहचान मजबूत करने के लिए उन्हें गेंदबाजी पर भी मेहनत करनी होगी। बिहार ने सात मैचों में दो जीत और पांच हार के साथ अभियान समाप्त किया। चोटिल तेज गेंदबाजों की गैरमौजूदगी और टीम के संतुलन की चुनौतियों के बीच अल्तमिश की बल्लेबाजी सकारात्मक पहलू रही। उनके 195 रन और 14 छक्के घरेलू टी-20 क्रिकेट में उनकी क्षमता का संकेत देते हैं। आईपीएल फ्रेंचाइजी के टैलेंट स्काउट्स की नजर ऐसे प्रदर्शन पर जा सकती है, हालांकि फिलहाल किसी फ्रेंचाइजी की दिलचस्पी की पुष्टि नहीं है। अब अल्तमिश के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस प्रदर्शन को निरंतरता में बदलने की है।

सात मैच, दो जीत और पांच हार... बिहार की एसएमएटी में कहां बिगड़ा खेल? बल्लेबाजी-गेंदबाजी दोनों की परीक्षा

दिल्ली के खिलाफ 225 रन का लक्ष्य हासिल कर दिखाई ताकत, लेकिन पांच मुकाबलों में मिली हार

चोटिल गेंदबाजों की कमी और डेथ ओवरों की रणनीति बनी चुनौती

आइडियासिटी कुन्दन श्रीवास्तव



पटना। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट 2026-27 में बिहार का सफर सात मुकाबलों के बाद समाप्त हो गया। दो जीत और पांच हार के साथ टीम का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। दिल्ली के खिलाफ 225 रनों का बड़ा लक्ष्य हासिल करना और रेलवे के विरुद्ध जीत दर्ज करना बिहार की क्षमता का प्रमाण था, लेकिन लगातार अच्छे प्रदर्शन की कमी ने टीम को आगे बढ़ने से रोक दिया। सवाल है कि बड़े स्कोर का पीछा करने वाली टीम पांच मुकाबलों में जीत से दूर क्यों रह गई? बिहार ने सौराष्ट्र के खिलाफ पांच विकेट की हार से अभियान शुरू किया। इसके बाद रेलवे को चार विकेट से हराकर वापसी की। दिल्ली के खिलाफ मुकाबला सबसे यादगार रहा, जहां 224 रनों के लक्ष्य के जवाब में बिहार ने आठ विकेट गंवाकर 227 रन बनाए और दो विकेट से जीत हासिल की। लेकिन जम्मू-कश्मीर के खिलाफ नौ रन की हार ने इस लय को तोड़ दिया। तमिलनाडु ने 238 रन बनाए और बिहार को 139 पर समेटकर 99 रन से जीत दर्ज की। हरियाणा के 220 रनों के जवाब में बिहार 196 रन बना सका और 24 रन से हार गया। आखिरी मुकाबले में पंजाब ने बिहार के 151 रनों के लक्ष्य को छह विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस अभियान में बिपिन सौरभ की हरियाणा के खिलाफ 84 रनों की पारी उल्लेखनीय रही। आयुष लोहारुका, अल्तमिश अशरफ और पीयूष सिंह ने भी अलग-अलग मौकों पर योगदान दिया। अल्तमिश 195 रन बनाकर बिहार के सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। हालांकि, बल्लेबाजी में निरंतरता की कमी साफ दिखी। एक मैच में 225 से अधिक रन का लक्ष्य हासिल करना और दूसरे में 139 पर सिमट जाना टीम की सामूहिक बल्लेबाजी पर सवाल खड़ा करता है। गेंदबाजी भी बिहार के लिए बड़ी चुनौती रही। साकिब हुसैन, मोहम्मद इजहार और रघुवेन्द्र प्रताप सिंह की चोट के कारण गैरमौजूदगी ने तेज गेंदबाजी आक्रमण को प्रभावित किया। स्पिनर और कप्तान सूरज कश्यप तथा मयंक कुमार ने कई मुकाबलों में अपने स्पेल पूरे किए, लेकिन विपक्षी टीमों को बड़े स्कोर बनाने से रोकना मुश्किल रहा। डेथ ओवरों में रन रोकने और दबाव में सही रणनीति लागू करने की जरूरत महसूस हुई। बिहार के अभियान में प्रतिभा और जुझारूपन के संकेत जरूर मिले, लेकिन करीबी मुकाबलों को जीत में बदलने की क्षमता विकसित करनी होगी।

बल्लेबाजी में साझेदारियां, गेंदबाजी में धार और अंतिम ओवरों की रणनीति पर काम करना जरूरी है। अब टीम के सामने चुनौती है कि इन सात मुकाबलों से मिले सबक को अगले घरेलू सत्र की तैयारी में शामिल करे।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का मौका, 5 और 6 दिसंबर को विशेष अभियान

तेघड़ा के 149 बूथों पर महिलाओं पर फोकस



आइडियासिटी संवाददाता

बेगूसराय । मतदाता सूची को त्रुटिरहित और समावेशी बनाने के लिए निर्वाचन विभाग ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2027 की तैयारियां तेज कर दी हैं। तेघड़ा विधानसभा क्षेत्र में 5 और 6 दिसंबर को विशेष अभियान दिवस आयोजित होंगे। इस दौरान पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और विवरण में सुधार कराने के लिए आवेदन कर सकेंगे। शुक्रवार को एसडीओ सह निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी नीरज सिन्हा की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक हुई। इसमें बताया गया कि विधानसभा क्षेत्र में 3,03,753 मतदाता और 339 मतदान केंद्र हैं। समीक्षा में 149 बूथों पर महिला मतदाताओं के पंजीकरण और जेंडर रेशियो में सुधार की जरूरत सामने आई। राजनीतिक दलों ने नगर परिषद और ग्रामीण क्षेत्रों के कचरा संग्रहण वाहनों से अभियान का प्रचार कराने का सुझाव दिया। एसडीओ ने बीएलए को सक्रिय रखने और बीएलओ से समन्वय बनाने की अपील की। बैठक में दावा-आपत्ति के प्रपत्र-9, 10, 11ए और 11बी भी उपलब्ध कराए गए।

बंका घाट से पक्की दरगाह के रास्ते कट्टा लेकर जा रहा था नाबालिग, पुलिस ने दबोचा

एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और आईफोन बरामद

आइडियासिटी संवाददाता

पटना। पटना में अवैध हथियारों की आवाजाही पर पुलिस की निगरानी के बीच नदी थाना पुलिस ने एक विधिविरुद्ध बालक को देशी कट्टा और कारतूस के साथ पकड़ा है। पुलिस को 27 नवंबर को गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवक बंका घाट रेलवे स्टेशन से पक्की दरगाह की ओर देशी कट्टा लेकर आ रहा है। सूचना मिलते ही वरीय अधिकारियों के निर्देश पर छापेमारी टीम गठित की गई। पुलिस टीम पक्की दरगाह से बंका घाट रेलवे स्टेशन जाने वाली सड़क पर पहुंची तो एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। हालांकि, पुलिस बल ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक लोहे का देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और एक आईफोन मोबाइल बरामद किया गया। कारतूस के निचले हिस्से पर 08 एमएम केएफ अंकित बताया गया है।

इस मामले में नदी थाना कांड संख्या 453/2026, दिनांक 27 नवंबर 2026 के तहत आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में थानाध्यक्ष सद्दाम हुसैन, अपर थानाध्यक्ष देवकर्ण बंटी सहित नदी थाना के पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल थे। पुलिस बरामद हथियार के संबंध में आगे की जांच कर रही है।

आधार कार्ड बनाने और अपडेट करने के नाम पर अवैध वसूली, पटना साइबर पुलिस ने एक को दबोचा

ललित भवन परिसर से गिरफ्तारी, लैपटॉप, दो मोबाइल और आईरिस डिवाइस बरामद

आइडियासिटी संवाददाता

पटना। आधार कार्ड बनवाने या उसमें सुधार कराने के नाम पर अगर कोई आपसे तय शुल्क से अधिक पैसे मांगता है तो सतर्क हो जाइए। पटना में फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनाने और अपडेट करने के एवज में लोगों से अवैध वसूली करने के आरोप में साइबर पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई ललित भवन परिसर में की गई। पुलिस के अनुसार, इस मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता भी सामने आई है और पूरा नेटवर्क संगठित गिरोह के रूप में काम कर रहा था। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान झारखंड के रांची स्थित अपर बाजार निवासी चितरंजन कुमार पाण्डेय के रूप में हुई है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक लैपटॉप, दो मोबाइल फोन और एक आईरिस डिवाइस बरामद किया है। जांच में निर्लंबित ऑपरेटर का लॉगिन-पासवर्ड और सॉफ्टवेयर इस्तेमाल किए जाने की बात सामने आई है। इस संबंध में पटना साइबर थाना कांड संख्या 1564/26, दिनांक 27 नवंबर 2026 के तहत बीएनएस, आईटी एक्ट और आधार अधिनियम की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अन्य संलिप्त लोगों की पहचान और नेटवर्क के विस्तार की जांच में जुटी है। साइबर ठगी या ऑनलाइन अपराध की शिकायत के लिए राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल cybercrime.gov.in और हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क किया जा सकता है।

हत्या के लिए अपहरण के मामले में गिरफ्तार आरोपी के घर से कट्टा और तीन कारतूस बरामद

आइडियासिटी संवाददाता

पटना । पटना के नदी थाना क्षेत्र में हत्या के लिए अपहरण के मामले की जांच के दौरान पुलिस को एक और हथियार बरामदगी में सफलता मिली है। पुलिस ने इस कांड में गिरफ्तार आरोपी के आलमपुर स्थित घर पर छापेमारी कर एक देशी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। हथियार कमरे में चौकी पर रखे एक कार्टून के अंदर कपड़े से छिपाकर रखा गया था। पुलिस के अनुसार, नदी थाना कांड संख्या 449/2026 में अप्राथमिकी अभियुक्त सूरज कुमार उर्फ भुट्टा को 26 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था। उसकी निशानदेही पर कांड से संबंधित बरामदगी के लिए अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की जा रही थी। इसी क्रम में आलमपुर स्थित उसके घर की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान लोहे का एक देशी कट्टा मिला, जिसके बट पर लकड़ी लगी हुई थी।

इसके साथ तीन जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए। कारतूस के निचले हिस्से पर 08 एमएम केएफ अंकित बताया गया है। हथियार और कारतूस जब्त करने के बाद आरोपी के विरुद्ध नदी थाना कांड संख्या 452/2026, दिनांक 27 नवंबर 2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धाराओं में अलग प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई और अनुसंधान कर रही है। छापेमारी में थानाध्यक्ष सद्दाम हुसैन समेत नदी थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल थे।

तेघड़ा में शिक्षकों को मनमाने ढंग से नोटिस, साप्ताहिक छुट्टी के दिन भी अनुपस्थित दिखाने का आरोप

शिक्षा विभाग की कार्यशैली पर उठे सवाल

24 घंटे में स्पष्टीकरण नहीं देने पर वेतन कटौती की चेतावनी

अवकाश एसओपी और ई-शिक्षाकोष के नियमों की अनदेखी का शिक्षकों ने लगाया आरोप

आइडियासिटी संवाददाता

बेगूसराय। तेघड़ा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय की कार्यशैली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। शिक्षकों के अवकाश और उपस्थिति को लेकर शिक्षा विभाग की ओर से निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के बावजूद शिक्षकों को कथित तौर पर मनमाने तरीके से स्पष्टीकरण जारी किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि विद्यालयों के साप्ताहिक अवकाश और शिक्षकों के स्वीकृत अवकाश की स्थिति की जांच किए बिना ही उन्हें अनुपस्थित बताकर जवाब-तलब किया जा रहा है। इस कार्रवाई से शिक्षकों में नाराजगी है।मामला तब सामने आया जब प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, तेघड़ा के कार्यालय से ज्ञापांक 1273,एवं 1274 दिनांक 25 नवंबर 2026 के तहत शिक्षकों की अनुपस्थिति को लेकर स्पष्टीकरण जारी किया गया। इसके साथ संलग्न सूची में 18 नवंबर 2026 की उपस्थिति का विवरण दिया गया है। सूची में कई शिक्षकों को अनुपस्थित तो कई को अवकाश पर दर्शाया गया है। संबंधित शिक्षकों को 24 घंटे के अंदर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया गया है। साथ ही निर्धारित समय में जवाब नहीं देने पर आरोप स्वीकार मानते हुए वेतन कटौती की कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।



शुक्रवार को बंद रहने वाले उर्दू विद्यालयों के शिक्षक भी सूची में

इस मामले में सबसे बड़ा सवाल उर्दू विद्यालयों के शिक्षकों को लेकर उठ रहा है। शिक्षकों का आरोप है कि जिन उर्दू विद्यालयों में विभागीय व्यवस्था के तहत शुक्रवार को साप्ताहिक अवकाश रहता है, वहां के शिक्षकों को भी अनुपस्थित दिखाकर स्पष्टीकरण जारी किया गया है। शिक्षकों का सवाल है कि जब संबंधित विद्यालय में शुक्रवार को साप्ताहिक छुट्टी निर्धारित है, तो उस दिन की उपस्थिति के आधार पर अनुपस्थिति कैसे तय की गई। क्या स्पष्टीकरण जारी करने से पहले विद्यालयों के साप्ताहिक अवकाश की व्यवस्था की जांच की गई थी

अवकाश एसओपी के नियमों की अनदेखी का आरोप

शिक्षकों का कहना है कि बिहार सरकार के शिक्षा विभाग की ओर से जारी अवकाश संबंधी एसओपी में आकस्मिक अवकाश को लेकर स्पष्ट प्रावधान है। इसके तहत लगातार 12 दिनों से अधिक अवधि के लिए आकस्मिक अवकाश स्वीकृत नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद 12 दिनों से कम अवधि के अवकाश से जुड़े मामलों में भी स्पष्टीकरण जारी किए जाने का आरोप है। एसओपी के अनुसार अवकाश संबंधी आवेदन ई-शिक्षाकोष पोर्टल के लीव माड्यूल के माध्यम से निष्पादित किए जाने हैं। सामान्य अवकाश के मामलों में प्रधानाध्यापक, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी और जिला शिक्षा पदाधिकारी के स्तर पर प्रक्रिया एवं समय-सीमा निर्धारित है। ऐसे में शिक्षकों का सवाल है कि अवकाश आवेदन की स्थिति, स्वीकृति और संबंधित अभिलेखों की जांच किए बिना स्पष्टीकरण जारी करना कहां तक उचित है

बर्खास्त शिक्षक का नाम भी सूची में शामिल होने की चर्चा

मामले में एक और गंभीर बिंदु सामने आया है। शिक्षकों के अनुसार बर्खास्त उर्दू प्राथमिक विद्यालय बिनलपुर के शिक्षक आशीष रंजन झा और नवसृजित प्राथमिक विद्यालय हसनपुर पश्चिम की शिक्षिका उमा कुमारी का नाम भी स्पष्टीकरण सूची में शामिल है। शिक्षकों का दावा है कि संबंधित शिक्षक फर्जी शिक्षक होने के मामले में पहले से निलंबित हैं। ऐसे में यदि उनका निलंबन आदेश प्रभावी था, तो उनकी सेवा स्थिति की जांच किए बिना अनुपस्थित शिक्षकों की सूची में नाम शामिल करने का आधार क्या था । इस संबंध में उर्दू प्राथमिक विद्यालय बिनलपुर के प्रधानाध्यापिका रश्मि कुमारी ने बताया मेरे विद्यालय में कार्यरत शिक्षक आशीष रंजन झा बहुत दिनों से फरार चल रहे हैं और नवसृजित प्राथमिक विद्यालय हसनपुर पश्चिम के प्रधानाध्यापिका रेखा कुमारी ने बताया मेरे विद्यालय की शिक्षिका उमा कुमारी काफी दिनों से फरार चल रही है ।इस बिंदु पर भी विभागीय स्थिति स्पष्ट किए जाने की मांग उठ रही है।

शिक्षकों में नाराजगी, पारदर्शिता पर उठाए सवाल

इस कार्रवाई को लेकर शिक्षकों के बीच असंतोष व्याप्त है। नाम नहीं छापने की शर्त पर कुछ शिक्षकों ने आरोप लगाया कि स्पष्टीकरण जारी करने की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। कुछ शिक्षकों ने तो इसे भय का माहौल बनाकर कथित अवैध उगाही का माध्यम बनाए जाने की आशंका भी जताई है। हालांकि, अवैध उगाही से जुड़े आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। शिक्षकों का कहना है कि विभागीय कार्रवाई से पहले प्रत्येक शिक्षक के अवकाश आवेदन, ई-शिक्षाकोष पोर्टल की स्थिति, विद्यालय के साप्ताहिक अवकाश और संबंधित शिक्षक की वास्तविक सेवा स्थिति की जांच होनी चाहिए।

उनका सवाल है कि यदि विभागीय नियमों के अनुसार अवकाश स्वीकृत है या विद्यालय में उस दिन साप्ताहिक छुट्टी है, तो संबंधित शिक्षक को अनुपस्थित मानकर स्पष्टीकरण क्यों दिया जा रहा है।अब इस पूरे मामले में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी का आधिकारिक पक्ष सामने आना महत्वपूर्ण है। शिक्षकों ने विभागीय अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है।इस संबंध में प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुभाष कुमार ने बताया बीआरसी से जारी पत्र में कुछ त्रुटि है । इस जांच किया जाएगा, अगर लिपिकीय भूल है तो सुधार किया जाएगा, अगर जानबूझकर की गई है गलती तो संबंधित कर्मियों पर कार्रवाई की जाएगी।

डीएम ने खेत में उतरकर की धान की कटाई, 76.10 क्विंटल प्रति हेक्टेयर मिली उपज

आइडियासिटी संवाददाता

खगड़िया। खेत में फसल की वास्तविक उपज कितनी हो रही है, इसका आकलन करने के लिए खगड़िया के मानसी प्रखंड में जिलाधिकारी विक्रम विरकर खुद खेत में उतर गए। शुक्रवार को पूर्वी ठाठा पंचायत के ठाठ राजस्व ग्राम में अगहनी धान की क्रॉप कटिंग की गई। इस दौरान डीएम ने हंसिया लेकर धान की कटाई भी की। खरीफ फसल वर्ष 2026-27 के तहत निर्धारित 10म5 मीटर क्षेत्र में कटाई के बाद कुल 38 किलो 50 ग्राम धान का उत्पादन मिला। इसके आधार पर प्रति हेक्टेयर उपज 76.10 क्विंटल आंकी गई।



डीएम ने कहा कि अगहनी धान बिहार राज्य फसल सहायता योजना के तहत बीमित फसल है। क्रॉप कटिंग से वास्तविक उत्पादन का आंकड़ा मिलता है, जिससे किसानों को योजना का लाभ देने में मदद मिलती है। बीडीओ राजीव कुमार ने किसानों से आधुनिक और वैज्ञानिक तकनीक अपनाकर कम जमीन में अधिक उत्पादन लेने की अपील की। मौके पर कृषि, सांख्यिकी, राजस्व और प्रशासनिक विभागों के अधिकारी तथा जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मानसी थाना में साप्ताहिक गुंडा परेड, चिह्नित लोगों को थानाध्यक्ष की सख्त चेतावनी

अपराधिक गतिविधियों से दूर रहने और कानून का पालन करने की हिदायत

आइडियासिटी संवाददाता

खगड़िया। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर अंकुश लगाने के लिए मानसी पुलिस ने निगरानी तेज कर दी है। इसी क्रम में शुक्रवार को मानसी थाना परिसर में साप्ताहिक गुंडा परेड आयोजित की गई। थानाध्यक्ष दीपक कुमार के नेतृत्व में हुई इस परेड में थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों से चिह्नित लोगों को बुलाया गया। इस दौरान थानाध्यक्ष ने सभी को कानून का पालन करने और किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधि से दूर रहने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में शांति भंग करने, आपसी विवाद बढ़ाने या गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने परेड में शामिल लोगों से उनकी गतिविधियों की जानकारी भी ली और भविष्य में किसी आपराधिक घटना में शामिल



नहीं होने की चेतावनी दी। थानाध्यक्ष ने कहा कि मानसी क्षेत्र में विधि-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने आम लोगों से शांति और सौहार्द बनाए रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की।

बिहार में खेती के साथ मछली, मांस और अंडा उत्पादन बढ़ाने की तैयारी

आधुनिक बिक्री केंद्र विकसित करने पर जोर

आइडियासिटी संवाददाता

पटना। बिहार में कृषि विकास को नई गति देने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार ने चतुर्थ कृषि रोड मैप के लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने की कवायद तेज कर दी है। इसी कड़ी में शुक्रवार को कृषि भवन, मीठापुर में कृषि उत्पादन आयुक्त अरविंद कुमार चौधरी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई।



इसमें खेती के साथ-साथ पशुपालन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी और कृषि वानिकी से जुड़े कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त ने प्राकृतिक खेती के विस्तार और किसानों को इसके लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। साथ ही मछली और मांस की स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण बिक्री सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक बिक्री केंद्र यानी सेल प्वाइंट विकसित करने की जरूरत बताई। बिहार में अंडा उत्पादन क्षमता बढ़ाकर राज्य को इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर और मजबूत बनाने की दिशा में भी पहल करने को कहा गया। समीक्षा के दौरान बाजार समितियों के विकास एवं आधुनिकीकरण, जैविक कॉरिडोर के विस्तार, उद्यानिक फसलों का उत्पादन बढ़ाने और खेती का रकबा विस्तारित करने तथा कृषि वानिकी को प्रोत्साहन देने जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। चतुर्थ कृषि रोड मैप (2023-28) के तहत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को तय समय में पूरा करने पर बल दिया गया। कृषि विभाग के प्रधान सचिव नर्मदेश्वर लाल, सहकारिता विभाग के सचिव धर्मेन्द्र सिंह, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के सचिव शीर्षत कपिल अशोक सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में शामिल हुए। कृषि उत्पादन आयुक्त ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय और जवाबदेही के साथ काम करने का निर्देश दिया, ताकि योजनाओं का लाभ किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े लोगों तक पहुंच सके।

फतुहा से मधुबनी तक, बिहार की जमीन पर आकार लेगा 'मेड इन बिहार' का नया सपना

तीन औद्योगिक क्षेत्रों में पास्ता, सोयाबरी, वाटर टैंक, प्योरिफायर और गीजर की इकाइयां होंगी स्थापित

73 औद्योगिक इकाइयों को 100 एकड़ से अधिक जमीन आवंटित

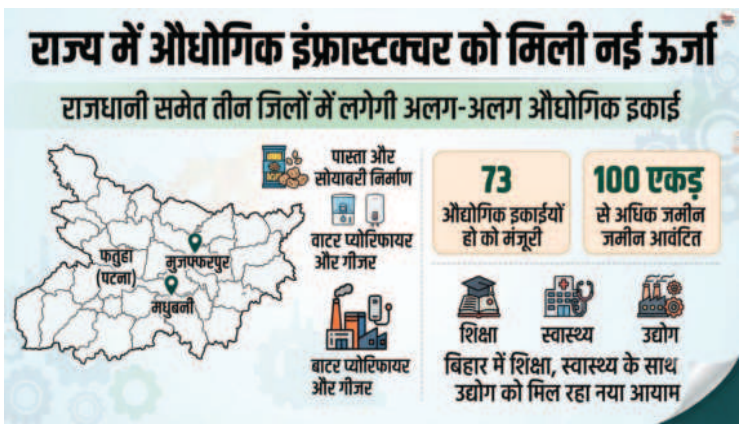

आइडियासिटी संवाददाता

पटना। बिहार की औद्योगिक तस्वीर अब केवल पारंपरिक कारोबार तक सीमित नहीं रहने वाली। राज्य की औद्योगिक जमीन पर अब पास्ता से लेकर वाटर प्योरिफायर और इलेक्ट्रिक गीजर तक तैयार करने की तैयारी है। राजधानी पटना के फतुहा से लेकर मुजफ्फरपुर और मधुबनी तक नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की जा रही है। इन परियोजनाओं से स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा मिलने के साथ रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

फतुहा में पास्ता और सोयाबरी का उत्पादन

पटना के फतुहा औद्योगिक क्षेत्र में स्पाइस पास्ता और सोयाबरी निर्माण इकाई स्थापित की जा रही है। करीब 7,500 वर्गफुट क्षेत्र में 4.22 करोड़ रुपये की लागत से इसका निर्माण प्रस्तावित है। इससे राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में खाद्य उत्पादों की उपलब्धता के साथ रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इसी औद्योगिक क्षेत्र में मेडिकल सर्जिकल उपकरण निर्माण की इकाइयों की स्थापना की पहल भी हुई है।

मधुबनी में बनेंगे प्लास्टिक स्टोरेज टैंक

उत्तर बिहार के मधुबनी स्थित लोहट फेज-1 में प्लास्टिक स्टोरेज टैंक निर्माण इकाई विकसित की जा रही है। इसके लिए 10 हजार वर्गफुट जमीन पर 2.84 करोड़ रुपये की परियोजना तैयार की गई है।

इससे मधुबनी के साथ दरभंगा, सुपौल और आसपास के जिलों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

मुजफ्फरपुर में बनेंगे आरओ और गीजर

मुजफ्फरपुर औद्योगिक क्षेत्र में 3.79 करोड़ रुपये की लागत से वाटर प्योरिफायर और इलेक्ट्रिक गीजर निर्माण इकाई स्थापित करने की तैयारी है। इसके लिए 10,890 वर्गफुट जमीन की स्वीकृति प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। उद्योग विभाग के अनुसार, राज्य में 73 औद्योगिक इकाइयों को 100 एकड़ से अधिक जमीन आवंटित की गई है। इन पहलों के साथ बिहार में स्थानीय उत्पादन और रोजगार की नई संभावनाएं आकार ले रही हैं।

खबर का असर: बड़ी पहाड़ी के प्याऊ में लगे अतिरिक्त नल, अब प्लेटफॉर्म और सफाई की बारी

आइडियासिटी न्यूज की खबर के बाद हरकत में आया नगर निगम, पेयजल की सुविधा बेहतर हुई


बदहाल : रंग-रोगन वाले प्याऊ के पास कूड़े का अंबार, पानी पीने के लिए भी जगह नहीं
दीवारों पर जल संरक्षण और स्वच्छता के चमचमाते संदेश, लेकिन नीचे गंदगी का साम्राज्य
चार-पांच नलकूपों में महज एक पर नल, नगर निगम की व्यवस्था पर उठे सवाल

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ । दीवारों पर स्वच्छता के संदेश, पानी बचाने की अपील और आकर्षक रंग-रोगन... लेकिन जिस जगह से लोगों की प्यास बुझनी थी, वहां पानी पीने के लिए समुचित व्यवस्था तक नहीं थी। बड़ी पहाड़ी के प्याऊ की यही तस्वीर नगर निगम की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही थी। अब इस बदहाल प्याऊ की तस्वीर में थोड़ा बदलाव आया है। आइडियासिटी न्यूज में खबर प्रकाशित होने के बाद नगर निगम प्रशासन ने पहल करते हुए वार्ड संख्या-20 में हाई स्कूल के समीप स्थित प्याऊ में अतिरिक्त नल लगवा दिए हैं। इससे स्थानीय लोगों, राहगीरों और दुकानदारों को पेयजल उपलब्ध कराने की सुविधा पहले से बेहतर हुई है। हालांकि, यह सुधार अभी आधा-अधूरा है। प्याऊ में अतिरिक्त नल तो लग गए, लेकिन उनके नीचे पानी पीने के लिए स्थायी प्लेटफॉर्म का निर्माण अब भी बाकी है। इसके साथ ही आसपास जमा कचरे और उससे उठने वाली दुर्गंध से लोगों को निजात मिलने का इंतजार है। ऐसे में नगर निगम की इस पहल के बाद अब स्थानीय लोगों की निगाहें अगले कदम पर टिकी हैं।





26 नवंबर को उठाया था प्याऊ की बदहाली का मुद्दा

गौरतलब है कि आइडियासिटी न्यूज ने 26 नवंबर के संस्करण में बड़ी पहाड़ी के इस प्याऊ की बदहाल स्थिति को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। खबर के माध्यम से नगर निगम प्रशासन का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया गया था कि प्याऊ की दीवारों पर आकर्षक रंग-रोगन कर स्वच्छता और जल संरक्षण के संदेश तो लिखवा दिए गए हैं, लेकिन वास्तविक स्थिति उन संदेशों से मेल नहीं खाती।

स्थानीय लोगों और राहगीरों के लिए बनाए गए इस प्याऊ के आसपास कचरे का अंबार लगा रहता था। पानी पीने के लिए आने वाले लोगों को नलों के पास खड़े होने तक की समुचित जगह नहीं मिलती थी। कचरे से उठने वाली दुर्गंध के कारण लोगों को काफी परेशानी होती थी। विडंबना यह थी कि दीवारों पर 'पानी अनमोल है, पानी बचाएं' और 'प्लास्टिक प्रदूषण रोकें' जैसे संदेश लिखे थे, लेकिन प्याऊ के आसपास सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं थी।

अतिरिक्त नल लगे, अब स्थायी प्लेटफॉर्म का इंतजार

खबर प्रकाशित होने के बाद नगर निगम ने अतिरिक्त नल लगवाकर पेयजल सुविधा को बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाया है। इससे यहां आने वाले लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। लेकिन केवल नल लगा देने से प्याऊ की व्यवस्था पूरी नहीं हो जाती। पानी पीने के दौरान नीचे गिरने वाले पानी की निकासी और लोगों के खड़े होने के लिए समतल एवं पक्का प्लेटफॉर्म भी जरूरी है। स्थानीय लोगों की मांग है कि निगम प्रशासन नलों के समीप स्थायी प्लेटफॉर्म का निर्माण कराए, ताकि बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को भी आसानी से पानी पीने की सुविधा मिल सके। साथ ही प्याऊ के आसपास जमा कचरे को हटाकर नियमित सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

नारों से आगे बढ़े स्वच्छता की पहल

नगर निगम की ओर से अतिरिक्त नल लगवाना निश्चित रूप से सकारात्मक पहल है। जनहित से जुड़े मुद्दों पर खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन की ओर से कार्रवाई होना इस बात को भी रेखांकित करता है कि स्थानीय समस्याओं को सामने लाने से बदलाव की राह बन सकती है। अब जरूरत इस पहल को पूरा करने की है। प्याऊ के आसपास कचरे का उठाव, दुर्गंध से मुक्ति, स्थायी प्लेटफॉर्म और नियमित सफाई की व्यवस्था हो जाए तो बड़ी पहाड़ी का यह प्याऊ वास्तव में अपने उद्देश्य को पूरा कर सकेगा। आखिर पानी बचाने और स्वच्छता का संदेश तभी सार्थक होगा, जब लोगों को स्वच्छ वातावरण में पीने का पानी भी उपलब्ध हो।

दो करोड़ 98 लाख की लागत से बने पंचायत सरकार भवन का हुआ शुभारंभ

अब ग्रामीणों को प्रखंड कार्यालय का नहीं लगाना पड़ेगा चक्कर : श्रवण कुमार

आइडियासिटी संवाददाता

नूरसराय। प्रखंड के मुजफ्फरपुर पंचायत में शुक्रवार को दो करोड़ 98 लाख रुपये की लागत से निर्मित पंचायत सरकार भवन का शुभारंभ किया गया। बिहार सरकार के ग्रामीण विकास एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार, विधान पार्षद सह सचेतक रीना यादव तथा जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता राजेंद्र प्रसाद ने संयुक्त रूप से फीता काटकर भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि अब पंचायत के आम लोगों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। पंचायत सरकार भवन में ही



लोगों के सभी आवश्यक कार्य किए जाएंगे। यहां पेंशन, जाति प्रमाणपत्र, निवास प्रमाणपत्र और आय प्रमाणपत्र सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पंचायत के मुखिया, पंचायत सचिव, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य और वार्ड सदस्य भी यहां उपलब्ध रहेंगे। इससे आम जनता को काफी सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में विकास के जो कार्य किए हैं, उन्हें मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आगे बढ़ाएंगे। हमलोग जनता की सेवा और उनके कार्यों के निष्पादन के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। वहीं, विधान पार्षद सह सचेतक रीना यादव ने कहा कि बिहार में न्याय के साथ विकास का कार्य हो रहा है। राज्य में विकास के क्षेत्र में जो काम हुआ है, उसका अनुकरण दूसरे राज्य भी कर रहे हैं। पूरे प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है और विकास की योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। इस अवसर पर जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि बिहार में विकास की गंगा बह रही है।

न्याय के साथ विकास की नीति के तहत सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। राज्य के सभी वर्गों के लोगों को विकास का लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम में जदयू प्रखंड अध्यक्ष राकेश कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी जियाउल हक, अंचलाधिकारी दीपक कुमार, राजू कुमार, नीरज कुमार, डॉ. सुनील दत्त, बंटी यादव, बबलू कुमार, रजनीश कुमार, शैलेंद्र गराई, सोनू सुल्तान, दीपू सिंह, कक्कू मुखिया सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

खेतों में पराली जलाने से प्रदूषित हो रही हवा, लोगों को सांस लेने में परेशानी

पराली जलाने की घटनाओं में वृद्धि, अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल

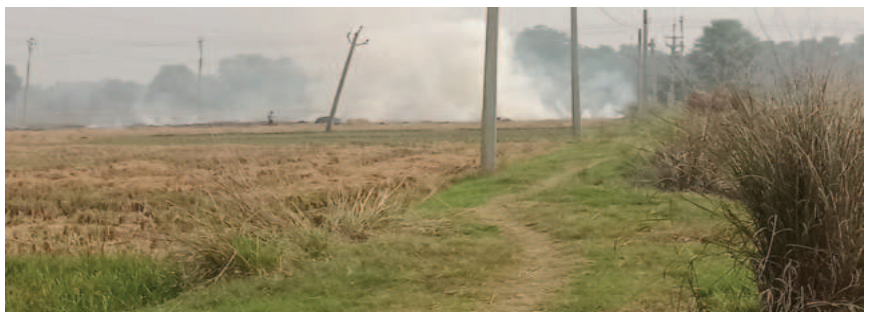

आइडियासिटी संवाददाता

करायपरसुराय। प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों किसानों द्वारा खेतों में फसल अवशेष यानी पराली जलाए जाने से वायु प्रदूषित हो रही है। इसका प्रतिकूल असर आम लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। प्रखंड के दिरीपर, मकरौता, खोखना, सबचक, बेरमा, निरया, बेरथू, रसलपुर, भवानी बिगहा, छितर बिगहा समेत कई अन्य गांवों में किसानों द्वारा खेतों में पराली जलाने की घटनाओं में इन दिनों वृद्धि हो रही है। आश्चर्यजनक बात यह है कि प्रखंड मुख्यालय के आसपास भी खेतों में पराली जलाई जा रही है, लेकिन विभागीय अधिकारियों की नजर इस ओर नहीं जा रही है। या फिर अधिकारी सब कुछ जानते हुए भी अनजान बने हुए हैं। धान की कटाई के बाद किसान खेतों में ही फसल के डंठल और अन्य अवशेषों को जला दे रहे हैं। इससे जहां एक ओर भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित हो रही है, वहीं दूसरी ओर पराली जलाने से निकलने वाले जहरीले धुएं के कारण लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। पराली जलाने से निकलने वाला धुआं वातावरण को प्रदूषित करने के साथ ही मिट्टी की गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसके बावजूद किसान फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करने के बजाय उन्हें खेतों में ही जला रहे हैं। इस संबंध में करायपरसुराय की प्रखंड कृषि पदाधिकारी निधि प्रिया ने बताया कि पराली जलाने की घटनाओं की जांच के लिए कृषि समन्वयक को क्षेत्र में भेजा गया है। पराली जलाने वाले किसानों की पहचान कर उनका पंजीकरण रद्द कर दिया जाएगा। ऐसे किसान सरकार की ओर से मिलने वाले अनुदान का लाभ चार वर्षों तक प्राप्त नहीं कर सकेंगे।



चौक-चौराहों पर ठेला, सड़क पर ऑटो-टोटो का कब्जा...

अतिक्रमण हटाओ अभियान के बाद भी नहीं बदल रही शहर की तस्वीर

मुख्य सड़कों पर दुकानदारों और वाहन चालकों का कब्जा



आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ। शहर की सड़कें आम लोगों के चलने के लिए हैं या ठेला लगाने, दुकान सजाने और ऑटो-टोटो खड़े करने के लिए? बिहारशरीफ के चौक-चौराहों की मौजूदा तस्वीर देखकर यह सवाल उठना लाजिमी है। कहीं सड़क के बीचोंबीच फल और सब्जियों के ठेले लगे हैं, तो कहीं फुटपाथ पर दुकानों का कब्जा है। बची हुई जगह पर ऑटो और टोटो चालक सवारियों के इंतजार में वाहन खड़े कर देते हैं। नतीजा यह है कि जिस सड़क से दो वाहन आसानी से गुजर सकते हैं, वहां एक वाहन निकलना भी मुश्किल हो जाता है। रोजाना हजारों लोग जाम और अव्यवस्थित यातायात से जूझ रहे हैं, लेकिन अतिक्रमण की समस्या का स्थायी समाधान अब तक नजर नहीं आ रहा। हैरानी की बात यह है कि शहर में अतिक्रमण हटाने के लिए समय-समय पर प्रशासनिक अभियान चलाए जाते हैं। कुछ समय के लिए सड़कें खाली भी दिखाई देती हैं, लेकिन अभियान खत्म होते ही पुरानी तस्वीर लौट आती है। ऐसे में सवाल केवल अतिक्रमण करने वालों की मनमानी का नहीं, बल्कि कार्रवाई की निरंतरता और प्रशासनिक व्यवस्था की प्रभावशीलता का भी है। आखिर किस वजह से मुख्य चौक-चौराहों पर दोबारा कब्जा जम जाता है और आम लोगों को इसकी कीमत जाम में फंसकर चुकानी पड़ती है?

सोहसराय से कचहरी मोड़ तक, हर तरफ अतिक्रमण का जाल

शहर के सोहसराय, करुणाबाग, खंदकपर, महलपर, देवीसराय, भरावपर, बड़ी पहाड़ी, भैंसासुर, काली चौक, अंबेडकर चौक, नईसराय चौक, मोगलकुआं, पुलपर और कचहरी मोड़ सहित कई प्रमुख इलाकों में अतिक्रमण की समस्या देखने को मिलती है। कहीं सड़क किनारे ठेले लगाकर दुकानें सजाई जाती हैं, तो कहीं फुटपाथी दुकानदारों ने आवागमन के लिए बनी जगह घेर रखी है। ऑटो और टोटो चालक भी निर्धारित पड़ाव के बजाय मुख्य चौक-चौराहों पर ही सवारी बैठाने और उतारने के लिए वाहन खड़े कर देते हैं। इसका सबसे अधिक असर व्यस्त बाजारों और प्रमुख सड़कों पर दिखाई देता है। सड़क का एक हिस्सा ठेलों और दुकानों के कब्जे में रहता है, जबकि दूसरा हिस्सा वाहनों की पार्किंग और सवारी चढ़ाने-उतारने में इस्तेमाल होता है। ऐसे में पैदल चलने वालों को भी सड़क पर उतरकर आवागमन करना पड़ता है। इससे दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

सड़क से थोड़ी दूर जगह, फिर भी मुख्य रास्ते पर दुकान!

अतिक्रमण की समस्या का एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि कई स्थानों पर सड़क से कुछ दूरी पर दुकान लगाने की जगह उपलब्ध होने के बावजूद ठेले मुख्य सड़क से सटाकर लगाए जाते हैं। दुकानदारों को लगता है कि सड़क के किनारे दुकान लगाने से ग्राहकों की आवाजाही अधिक रहेगी। इसी तरह ऑटो और टोटो चालक भी निर्धारित स्थान पर वाहन लगाने के बजाय चौक के आसपास ही सवारी की तलाश करते हैं। इसका खामियाजा उन लोगों को भुगतना पड़ता है, जिनका इस अतिक्रमण से कोई लेना-देना नहीं है। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, मरीजों और नौकरीपेशा लोगों को रोजाना जाम से जूझना पड़ता है। कई बार एंबुलेंस और जरूरी सेवाओं से जुड़े वाहनों के आवागमन पर भी दबाव की स्थिति बन जाती है।

कार्रवाई के बावजूद क्यों नहीं थम रहीं अतिक्रमण ?

शहर के कुछ बुद्धिजीवियों और युवाओं ने नाम नहीं प्रकाशित करने की शर्त पर व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि अतिक्रमण की समस्या केवल दुकानदारों और वाहन चालकों की मनमानी तक सीमित नहीं है। इसके पीछे प्रशासनिक निगरानी की कमी भी एक बड़ी वजह हो सकती है। कुछ लोगों ने कथित वसूली और जिम्मेदार लोगों की मिलीभगत की आशंका भी जताई है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि अतिक्रमण के खिलाफ नियमित, निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई हो तथा अभियान के बाद भी निगरानी जारी रखी जाए तो मुख्य सड़कों पर दोबारा कब्जा जमाना आसान नहीं होगा। केवल कभी-कभार अभियान चलाकर औपचारिकता पूरी करने से समस्या का समाधान संभव नहीं है।

वेंडर जोन और ऑटो पड़ाव बने तो मिलेगी राहत

शहर को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए केवल ठेले हटाना पर्याप्त नहीं होगा। इसके लिए ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें फुटपाथी दुकानदारों की रोजी-रोटी भी प्रभावित न हो और आम लोगों का रास्ता भी बाधित नहीं हो। नगर निगम की ओर से व्यवस्थित वेंडर जोन विकसित करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। यदि फुटपाथी दुकानदारों को चिह्नित स्थान पर दुकान लगाने की सुविधा मिले तो उन्हें बार-बार हटाए जाने का डर नहीं रहेगा और मुख्य सड़कें भी खाली रहेंगी। इसी तरह ऑटो और टोटो चालकों के लिए अलग-अलग निर्धारित पड़ाव बनाए जाने चाहिए। यातायात पुलिस और नगर निगम के बीच बेहतर समन्वय के साथ इन व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी भी जरूरी है।

सवाल वही, शहर को जाम से मुक्ति कब ?

बिहारशरीफ तेजी से विकसित हो रहा है। आबादी और वाहनों की संख्या बढ़ रही है, बाजारों का विस्तार हो रहा है और सड़कों पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में यातायात व्यवस्था को केवल चालान और अतिक्रमण हटाओ अभियान के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए दीर्घकालिक योजना और जमीन पर उसका प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी है। अब सवाल नगर निगम और यातायात प्रशासन से है कि शहर के प्रमुख चौक-चौराहों को व्यवस्थित करने के लिए ठोस पहल कब होगी? दुकानदारों को व्यवस्थित जगह और ऑटो-टोटो चालकों को निर्धारित पड़ाव कब मिलेगा? आखिर बिहारशरीफ के लोगों को बिना जाम में फंसे अपने गंतव्य तक पहुंचने की सुविधा कब मिलेगी? शहरवासियों को अतिक्रमण मुक्त सड़कें चाहिए, लेकिन ऐसी व्यवस्था के साथ जिसमें किसी की आजीविका भी न छिने और सार्वजनिक रास्तों पर आम जनता का अधिकार भी सुरक्षित रहे।

नगर परिषद की बैठक में नई नियमावली को मिली स्वीकृति, खराब स्ट्रीट लाइटों की होगी मरम्मत

आइडियासिटी संवाददाता



हिलसा। नगर परिषद हिलसा के सभाकक्ष में शुक्रवार को मुख्य पार्षद धनंजय कुमार की अध्यक्षता में सशक्त स्थायी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर क्षेत्र के विकास एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उप मुख्य पार्षद दुर्गा कुमारी, तवस्सुम प्रवीण, सशक्त स्थायी समिति के सदस्य सुमित कुमार एवं विजय कुमार विजेता, कार्यपालक पदाधिकारी रविशंकर प्रसाद, प्रधान सहायक अलबेला प्रसाद, लेखापाल पिंटू कुमार यादव, योजना सहायक अभिषेक अरुण सहित सफाई एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सरकार द्वारा प्रस्तावित नई नियमावली को स्वीकृति प्रदान की गई। वहीं, नगर क्षेत्र में खराब पड़ी पथ प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए बंद स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत कराने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा नगर की साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा नागरिकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर भी चर्चा की गई। बैठक में नगर के विकास कार्यों को गति देने और नागरिक सुविधाओं में सुधार लाने पर विशेष जोर दिया गया।

12 घंटे में चोरी का खुलासा, 3 गिरफ्तार

आइडियासिटी संवाददाता

अस्थावां : थाना क्षेत्र के सोयवापर गांव में गल्ला व्यवसायी सोनू कुमार व जयमंती देवी के घर में चोरी की घटना हुई थी। पुलिस ने 12 घंटों में ही इनका खुलासा करने का दावा किया है। थानाध्यक्ष सत्यम कुमार चंद्रवंशी ने बताया कि जानकारी मिलने के बाद तत्परता दिखाते हुए छापेमारी शुरू की। इसी दौरान निजामपुरा गांव निवासी अविनाश कुमार उर्फ विक्कू, विनोद पासवान और सोयवापर गांव निवासी भूषण चौहान को गिरफ्तार किया गया। आरोपितों के पास से लैपटॉप, एक मोबाइल, डीजे मशीन, लोहे का मोटर और पीतल व कांसे के कई बर्तन बरामद किए हैं। इनमें तसला, कठौती, सुराही, थाली, कटोरा, लोटा, गिलास, सूप, परात आदि सामान शामिल हैं। छापेमारी दल में एसआई विजय कुमार, धर्मेंद्र कुमार, जितेंद्र कुमार, सिपाही जयप्रकाश गुप्ता, लालू राय और सोनी कुमारी शामिल थी।



किसान कॉलेज में छह दिनों तक अकादमिक हुनर को धार देंगे शिक्षक

शोध की नई पद्धतियों से लेकर अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रकाशन तक की मिलेगी जानकारी





आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ। उच्च शिक्षा की बदलती दुनिया में अब शिक्षकों की पहचान केवल कक्षा में पढ़ाने तक सीमित नहीं रह गई है। उनसे अपेक्षा है कि वे नए विषयों पर शोध करें, ज्ञान की नई संभावनाएं तलाशें और अपने शोध को ऐसी गुणवत्ता के साथ प्रकाशित करें, जिस पर अकादमिक जगत भरोसा कर सके। लेकिन बेहतर शोध के लिए सही पद्धति क्या हो, अकादमिक लेखन में मौलिकता कैसे बरकरार रखी जाए और शोध पत्रों के प्रकाशन में नैतिक मानकों का पालन किस तरह हो? ऐसे ही सवालों के जवाब तलाशने और शिक्षकों की अकादमिक दक्षता को नई धार देने के लिए किसान कॉलेज, सोहसराय में छह दिवसीय संकाय संवर्धन कार्यक्रम का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। 27 नवंबर से 2 दिसंबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम का मुख्य विषय 'शोध पद्धति, अकादमिक लेखन एवं प्रकाशन नैतिकता' रखा गया है। इसके तहत शिक्षकों को शोध की आधुनिक तकनीकों, गुणवत्तापूर्ण अकादमिक लेखन, शोध पत्र तैयार करने की प्रक्रिया और प्रकाशन से जुड़े नैतिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल शिक्षकों को नई जानकारियों से परिचित कराना नहीं, बल्कि उनके भीतर शोधपरक दृष्टिकोण विकसित करना और उच्च शिक्षा के बदलते मानकों के अनुरूप उन्हें तैयार करना भी है।

दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ अकादमिक विमर्श

महाविद्यालय परिसर में आयोजित उद्घाटन समारोह की शुरुआत मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। इसके बाद राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान की प्रस्तुति हुई। महाविद्यालय की छात्राओं ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। तत्पश्चात अतिथियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), पटना विश्वविद्यालय के निदेशक प्रोफेसर अतुल आदित्य पांडेय रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के संकाय संवर्धन कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रोफेसर अनूप कुमार सिंह तथा सह-नोडल अधिकारी डॉ. शशि रंजन उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता किसान कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर दिवांशु कुमार ने की।

शोध में गुणवत्ता के साथ ईमानदारी भी जरूरी

उद्घाटन सत्र में वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी शोध की वास्तविक पहचान केवल उसके प्रकाशित होने से नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता, मौलिकता और विश्वसनीयता से बनती है। अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य प्रोफेसर दिवांशु कुमार ने कहा कि वर्तमान शैक्षणिक परिवेश में शिक्षकों के लिए नवीन शोध पद्धतियों को समझना, प्रामाणिक अकादमिक लेखन करना और प्रकाशन से जुड़े नैतिक मानदंडों का पालन करना बेहद आवश्यक है। उच्च शिक्षा की मजबूती के लिए गुणवत्तापूर्ण शोध और नए ज्ञान का सृजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं, डॉ. अवधेश कुमार द्विवेदी ने कार्यक्रम का विषय प्रवेश कराते हुए इसके अकादमिक उद्देश्यों और वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को कार्यक्रम की विषयवस्तु से परिचित कराया।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर अतुल आदित्य पांडेय ने शिक्षकों के निरंतर प्रशिक्षण को समय की आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि संकाय संवर्धन कार्यक्रम शिक्षकों की क्षमता विकसित करने और उन्हें शोध के क्षेत्र में अधिक सक्रिय बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

वहीं, प्रोफेसर अनूप कुमार सिंह एवं डॉ. शशि रंजन ने कार्यक्रम की विशेषताओं और शोध के क्षेत्र में इसकी उपयोगिता पर अपने विचार रखे।

छह दिनों में शोध के कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर होगी चर्चा

इस कार्यक्रम के दौरान अलग-अलग अकादमिक सत्रों में शोध पद्धति, शोध की गुणवत्ता, अकादमिक लेखन और शोध प्रकाशन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी। शिक्षकों को यह समझने का अवसर मिलेगा कि किसी शोध विषय का चयन कैसे किया जाए, शोध को व्यवस्थित और प्रमाण आधारित स्वरूप कैसे दिया जाए तथा प्रकाशन के दौरान अकादमिक ईमानदारी और नैतिकता को कैसे बनाए रखा जाए। कार्यक्रम के अंत में संकाय संवर्धन प्रकोष्ठ की सह-समन्वयक डॉ. बेबी कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले अतिथियों, आयोजन समिति, शिक्षकगण, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह का समापन बिहार गीत की प्रस्तुति के साथ हुआ। कुल मिलाकर, किसान कॉलेज की यह पहल शिक्षकों के लिए अपने अकादमिक कौशल को निखारने और शोध की दुनिया में नई संभावनाओं से जुड़ने का अवसर लेकर आई है। छह दिनों तक चलने वाला यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कितना उपयोगी साबित होगा, इसकी असली कसौटी इससे निकलने वाले शोध कार्यों की गुणवत्ता और अकादमिक लेखन की प्रामाणिकता होगी।

संविधान दिवस पर बच्चों ने जाना अधिकार और कर्तव्य का महत्व, तीन विद्यार्थी बने 'स्टूडेंट ऑफ द मंथ'

प्राथमिक विद्यालय मानपुर में आयोजित हुई शैक्षणिक गतिविधियां, अनुशासन पालन का लिया संकल्प

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ। प्राथमिक विद्यालय मानपुर में 26 नवंबर को संविधान दिवस उत्साह और शैक्षणिक गतिविधियों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान संविधान के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई और विद्यार्थियों को उनके मौलिक अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की भी जानकारी दी गई। बच्चों ने विद्यालय में अनुशासन का पालन करने का संकल्प लिया। इस मौके पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन विद्यार्थियों को 'स्टूडेंट ऑफ द मंथ' सम्मान से सम्मानित किया गया। इनमें वर्ग चार के राजकुमार यादव, शुभम कुमार और प्रिन्स कुमार शामिल हैं। विद्यालय प्रधान सूर्यकांत सिंह कांत ने बताया कि वर्ग एक से पांच तक के विद्यार्थियों के उपलब्धि स्कोर में वर्ग चार का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा है। इसी उपलब्धि के लिए वर्ग चार के शिक्षक अब्दुस सलाम को अगले वर्ष 26 जनवरी को विद्यालय परिवार की ओर से सम्मानित करने की घोषणा की गई। कार्यक्रम में कदम बिहार एचपीपीआई के प्रतिनिधि, साधनसेवी लवली कुमारी, प्रेमलता मदन मोहन कॉलेज ऑफ एजुकेशन की प्रशिक्षु शिक्षक प्रिया कुमारी और खुशबू कुमारी उपस्थित रहीं। विद्यालय परिवार से अभय कुमार, अब्दुस सलाम और रंजू कुमारी के अलावा ग्राम पंचायत राज अमावा के मुखिया भी मौजूद थे।



राजगीर महोत्सव में दो दिवसीय दंगल एवं कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित

आइडियासिटी संवाददाता

राजगीर। राजगीर महोत्सव-2026 के अवसर पर खेल एवं पारंपरिक भारतीय संस्कृति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्थानीय कुश्ती प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के लिए दो दिवसीय दंगल एवं कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता 27 नवंबर से 28 नवंबर 2026 तक आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता का आयोजन राजगीर के स्थानीय कुंड क्षेत्र में सिद्धार्थ होटल के निकट किया जा रहा है। इसमें विभिन्न क्षेत्रों से आए पहलवान अपनी शारीरिक क्षमता, कुश्ती कौशल और दमखम का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस आयोजन के माध्यम से पहलवानों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है। साथ ही, भारतीय पारंपरिक खेल कुश्ती को बढ़ावा देने और युवाओं में इसके प्रति रुचि जगाने का प्रयास किया जा रहा है।





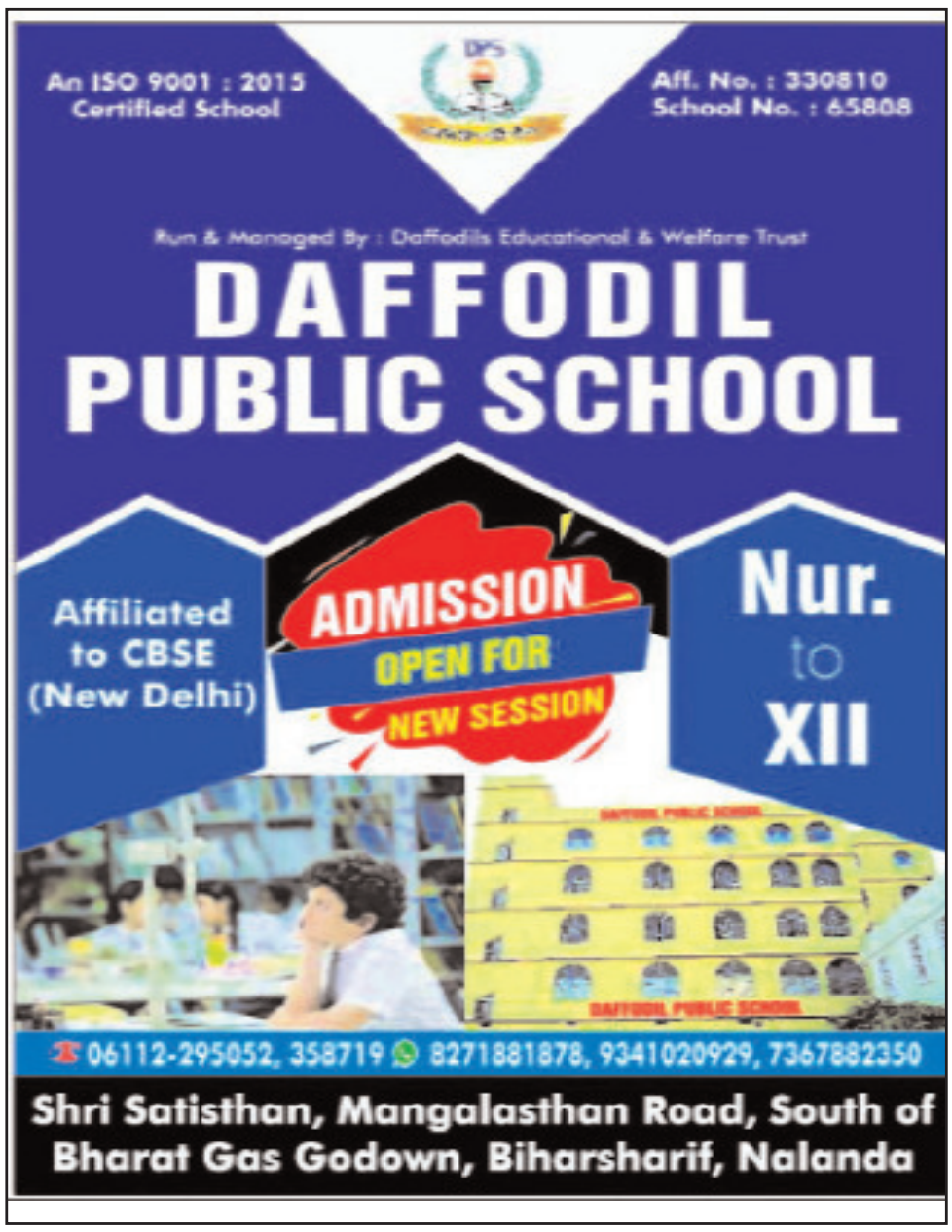

सात दिनों तक पोस्टमार्टम कक्ष में सड़ता रहा बुजुर्ग का शव

अंतिम संस्कार की बारी आई तो पुलिस और अस्पताल प्रबंधन में छिड़ी तकरार

थानाध्यक्ष बोले- समय पर सूचना मिलती तो पहले ही करा देते अंतिम संस्कार

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ । एक बुजुर्ग की मौत हुई, शव अस्पताल के पोस्टमार्टम कक्ष में रख दिया गया और फिर सात दिनों तक इंतजार चलता रहा। न कोई परिजन सामने आया, न शव की पहचान हो सकी और न ही अंतिम संस्कार की दिशा में समय रहते कोई ठोस पहल हुई। इस बीच शव की स्थिति लगातार खराब होती रही। जब सात दिन बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू हुई तो जिम्मेदारी तय करने के बजाय पुलिस और अस्पताल प्रबंधन के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। अब सवाल यह है कि आखिर सात दिनों तक एक अज्ञात बुजुर्ग का शव किसकी जिम्मेदारी के इंतजार में पड़ा रहा? मामला बिहारशरीफ सदर अस्पताल का है। यहां एक बुजुर्ग की मौत के बाद उनका शव पोस्टमार्टम कक्ष में रखा गया था। शुक्रवार को अस्पताल प्रबंधन की ओर से सूचना मिलने के बाद बिहार थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार



कराया। लेकिन इस पूरी घटना ने अस्पताल और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खास बात यह है कि दोनों पक्षों की दलीलें एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। पुलिस समय पर सूचना नहीं मिलने की बात कह रही है, जबकि अस्पताल प्रबंधन का दावा है कि थाना को पहले ही जानकारी दे दी गई थी।

डायल 112 की टीम लेकर पहुंची थी अस्पताल, दूसरे दिन हो गई मौत

जानकारी के अनुसार, डायल 112 की पुलिस एक बुजुर्ग को इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर आई थी। अस्पताल में भर्ती कर उनका उपचार शुरू किया गया, लेकिन दूसरे दिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम कक्ष में रख दिया गया। मृतक की पहचान कराने और उनके परिजनों तक सूचना पहुंचाने की कोशिशों के बीच सात दिन बीत गए। इस दौरान न तो कोई परिजन सामने आया और न ही शव के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी हो सकी। अज्ञात शव की पहचान नहीं होने की स्थिति में नियमानुसार पुलिस को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर अंतिम संस्कार की व्यवस्था करनी होती है। इसके बावजूद सात दिनों तक शव का पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार नहीं होने से व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

अस्पताल उपाधीक्षक का दावा- थाना को पहले ही दी जा चुकी थी जानकारी

थानाध्यक्ष बोले- शुक्रवार को मिली सूचना, पहले बताते तो हो जाता अंतिम संस्कार

बिहार थाना अध्यक्ष रंजीत कुमार रजक ने अस्पताल प्रबंधन पर समय से सूचना नहीं देने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि शुक्रवार को अस्पताल की ओर से शव के संबंध में जानकारी दी गई। जबकि शव पिछले सात दिनों से पोस्टमार्टम कक्ष में रखा हुआ था। यदि पुलिस को समय रहते सूचना मिल जाती तो आवश्यक प्रक्रिया पूरी कराकर नियमानुसार पहले ही अंतिम संस्कार करा दिया जाता। थानाध्यक्ष ने अस्पताल प्रबंधन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस तरह की लापरवाही के कारण अनावश्यक रूप से शव पोस्टमार्टम कक्ष में पड़ा रहा।

अस्पताल उपाधीक्षक का पलटवार- पहले ही दे दी गई थी जानकारी

दूसरी ओर, अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. राजीव रंजन ने पुलिस के आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि उन्होंने इस मामले की जानकारी पहले ही अस्पताल प्रबंधक को दे दी थी। अस्पताल प्रबंधक के स्तर से संबंधित थाना को भी सूचना दी गई थी। ऐसे में अस्पताल की ओर से समय पर जानकारी नहीं देने का आरोप बेबुनियाद है। अस्पताल प्रबंधन का पक्ष सामने आने के बाद अब यह सवाल और अहम हो गया है कि यदि थाना को पहले ही सूचना दे दी गई थी तो फिर सात दिनों तक शव के पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया क्यों लंबित रही?

सात दिनों तक किसका इंतजार करता रहा शव ?

इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि एक अज्ञात बुजुर्ग की मौत के बाद उनकी देह के सम्मानजनक अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी आखिर किसकी थी? डायल 112 की टीम बुजुर्ग को अस्पताल लेकर आई थी। अस्पताल में उनकी मौत हुई और शव पोस्टमार्टम कक्ष में रख दिया गया। इसके बाद पुलिस और अस्पताल प्रबंधन के बीच सूचना देने और प्राप्त करने को लेकर जो भी स्थिति रही हो, सात दिनों तक अंतिम संस्कार नहीं होना अपने आप में गंभीर सवाल खड़ा करता है।

मृत्यु के बाद भी किसी व्यक्ति की गरिमा और सम्मान बनाए रखना प्रशासनिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। ऐसे में केवल एक-दूसरे पर आरोप लगाने से जवाबदेही तय नहीं होगी। जरूरत इस बात की है कि यह स्पष्ट हो कि सूचना कब दी गई, किस स्तर पर कार्रवाई लंबित रही और आखिरकार सात दिनों तक शव का अंतिम संस्कार क्यों नहीं हो सका।

बेटियों के हाथों में जली उम्मीद की लौ, बाल विवाह रोकने का दिया संदेश

मोमबत्तियों की रोशनी में गूंजा बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान का संकल्प

आइडियासिटी संवाददाता

गिरियक। अंतरराष्ट्रीय बाल विवाह निषेध दिवस के अवसर पर बच्चियों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस मौके पर अंधकार मिटाने और बेटियों के भविष्य को रोशन करने का संदेश लेकर शुक्रवार को घोसरावां की बच्चियां आगे आईं।

गिरियक प्रखंड के घोसरावां स्थित सूर्यनारायण की प्रतिमा के समक्ष बच्चियों ने मोमबत्तियां जलाकर बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया। उनके हाथों में जलती मोमबत्तियां केवल रोशनी का प्रतीक नहीं थीं, बल्कि उन हजारों बेटियों की उम्मीद का प्रतीक बनीं, जिनका बचपन आज भी सामाजिक कुरीतियों और कम उम्र में शादी की परंपरा के बीच खो जाता है। बच्चियों की इस अनूठी पहल ने समाज को यह सोचने पर मजबूर किया कि बेटियों के हाथों में किताब और कलम होनी चाहिए, न कि विवाह की जिम्मेदारियां। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों से अपील की गई कि बेटियों को पढ़ने, आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने का पूरा अवसर दिया जाए। बाल विवाह रोकना केवल कानून का पालन करना नहीं, बल्कि बच्चों के अधिकार, सम्मान और बेहतर भविष्य की रक्षा करना भी है। कार्यक्रम में मोमबत्तियों की रोशनी बाल विवाह के खिलाफ संघर्ष और सामाजिक बदलाव का प्रतीक बनी। बच्चियों ने अपने संदेश के माध्यम से बताया कि कम उम्र में शादी किसी बालिका की शिक्षा, स्वास्थ्य और मानसिक विकास पर गंभीर असर डालती है। इससे उसके आत्मनिर्भर बनने, रोजगार पाने और जीवन में अपनी पसंद के फैसले लेने की संभावनाएं भी सीमित हो जाती हैं। बाल विवाह के खिलाफ यह पहल इस बात का संकेत है कि बदलाव की शुरुआत घर, गांव और समाज से ही होती है। जब परिवार बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता देंगे और समाज बाल विवाह के खिलाफ एकजुट होगा, तभी बाल विवाह मुक्त भारत का सपना साकार हो सकेगा। कार्यक्रम में 27 नवंबर को बाल, प्रारंभिक एवं जबरन विवाह उन्मूलन के अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाए जाने की जानकारी साझा की गई। बताया गया कि भारत में 27 नवंबर 2024 को बाल विवाह



मुक्त भारत अभियान की शुरुआत हुई थी। अभियान के दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। घोसरावां में आयोजित यह कार्यक्रम राष्ट्रीय अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने की दिशा में एक सार्थक पहल रहा। इसका उद्देश्य बाल विवाह के प्रति लोगों की सोच बदलना, बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देना और परिवारों, युवाओं तथा समुदाय को इस सामाजिक बुराई के खिलाफ सक्रिय करना था। बाल विवाह रोकने के लिए केवल जागरूकता कार्यक्रम पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। अभिभावकों को बेटियों की पढ़ाई जारी रखने, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और कम उम्र में विवाह के दबाव से बचाने के लिए आगे आना होगा। घोसरावां की बच्चियों ने मोमबत्तियां जलाकर यही संदेश दिया कि हर बेटी को सुरक्षित बचपन, शिक्षा का अधिकार और अपना भविष्य चुनने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। उनकी छोटी-सी पहल ने समाज के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा किया कि जब बेटियां अपने भविष्य के लिए आवाज उठा रही हैं, तो क्या समाज उनका साथ देने के लिए तैयार है? गौरतलब है कि मोमबत्तियों की लौ के साथ जगी यह उम्मीद तभी सार्थक होगी, जब बाल विवाह की कुप्रथा समाप्त होगी और हर बेटी को पढ़ने, आगे बढ़ने तथा सम्मान के साथ जीने का अवसर मिलेगा।



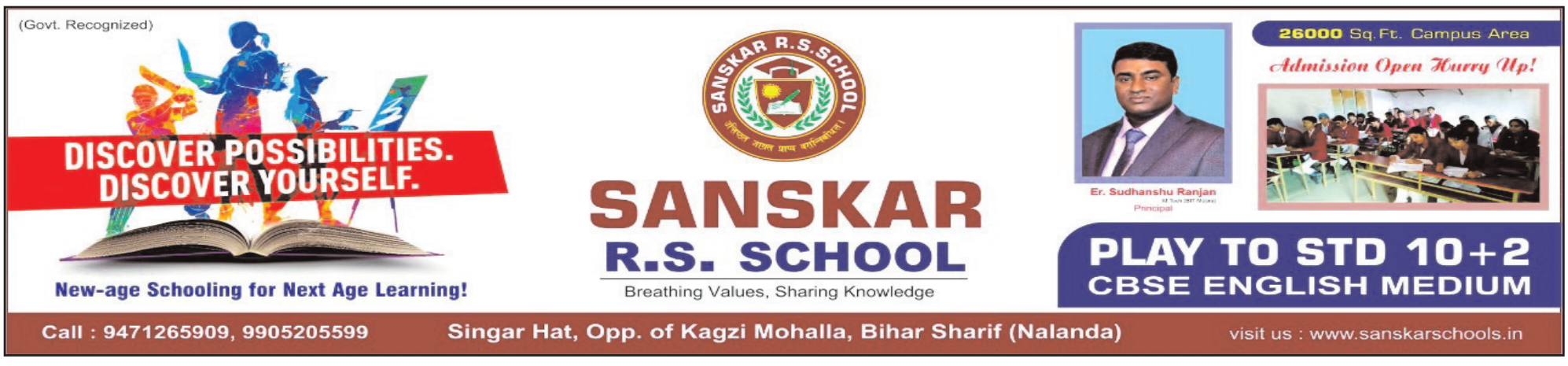

दिल्ली की सड़क पर थम गई देशसेवा की 25 साल की पारी

रहुई पहुंचा सीआरपीएफ जवान का पार्थिव शरीर तो रो पड़ा पूरा इलाका

अज्ञात वाहन की टक्कर ने छीन ली परिवार की खुशियां, 10 साल की मासूम बेटी के सिर से उठा पिता का साया



आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ (रहुई) । करीब 25 वर्षों तक देश के संवेदनशील और दुर्गम इलाकों में मोर्चा संभालने वाला एक जवान आखिरकार जिंदगी की जंग हार गया। जम्मू-कश्मीर की पहाड़ियों से लेकर छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा तक देश की सुरक्षा में अपनी जिम्मेदारी निभाने वाले सीआरपीएफ के सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई/जीडी) यादव ऋषिकेश की जीवन यात्रा दिल्ली की एक सड़क पर हुए हादसे के बाद समाप्त हो गई। जिस जवान ने वर्षों तक देश की सुरक्षा के लिए अपना परिवार और घर से दूर रहकर ड्यूटी निभाई, शुक्रवार को उसी जवान का पार्थिव शरीर जब नालंदा के रहुई स्थित उनके पैतृक आवास पहुंचा तो पूरा इलाका गमगीन हो उठा। सीआरपीएफ की विशेष टुकड़ी पार्थिव शरीर लेकर जैसे ही रहुई पहुंची, अंतिम दर्शन के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग अपने वीर जवान को अंतिम विदाई देने पहुंचे। हर तरफ नम आंखें, सिसकियां और 'यादव ऋषिकेश अमर रहें' के नारे सुनाई दे रहे थे। इस दुखद घड़ी में नालंदा के सांसद कौशलेंद्र कुमार समेत कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग भी पहुंचे तथा शहीद जवान को श्रद्धांजलि अर्पित की। हालांकि, इस भीड़ के बीच सबसे दर्दनाक तस्वीर उस परिवार की थी, जिसकी दस साल की मासूम बेटी अब अपने पिता को कभी वापस आते नहीं देख पाएगी।

23 नवंबर की शाम ड्यूटी के दौरान हुआ हादसा, तीन दिन तक चली जिंदगी की जंग

रहुई नगर पंचायत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप रहने वाले यादव ऋषिकेश नई दिल्ली के झड़ौदा कॉलोनी इलाके में ड्यूटी पर तैनात थे। उनके छोटे भाई कृतिकेश यादव के अनुसार, 23 नवंबर की शाम करीब सात बजे वे अपने एक साथी जवान के साथ ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान शौचालय जाने के लिए सड़क पार करते समय तेज रफ्तार अज्ञात बाइक या वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। रात करीब दस बजे परिजनों को फोन के माध्यम से दुर्घटना और उनकी नाजुक स्थिति की जानकारी मिली। खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजन अगले दिन विमान से दिल्ली पहुंचे और उन्हें मैक्स हेल्थ केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन गंभीर चोटों के कारण 25 नवंबर की शाम 6 बजकर 38 मिनट पर उन्होंने अंतिम सांस ली।

तीन दिनों तक जिंदगी और मौत के बीच चली जंग आखिरकार समाप्त हो गई।

जम्मू-कश्मीर से दंतेवाड़ा तक निभाई देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी

यादव ऋषिकेश की देशसेवा की कहानी करीब ढाई दशक पुरानी है। वर्ष 2001 में सीआरपीएफ में भर्ती होने के बाद उन्होंने अपने सेवाकाल में कई चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में जिम्मेदारी संभाली। जम्मू, लेह-लद्दाख, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा और ओडिशा जैसे क्षेत्रों में तैनात रहकर उन्होंने देश की सुरक्षा में योगदान दिया। हाल ही में राजगीर स्थित प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उनकी तैनाती ओडिशा में हुई थी। इसके बाद दिल्ली सरकार के विशेष अनुरोध पर उन्हें कानून-व्यवस्था की ड्यूटी के लिए दिल्ली पुलिस के साथ नई दिल्ली भेजा गया था। इसी दौरान सड़क हादसे ने उनकी जिंदगी छीन ली। जिस जवान ने अपने सेवाकाल का बड़ा हिस्सा देश के कठिन इलाकों में बिताया, उसकी असमय मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है।

2004 में हुई थी शादी, अब बेटी के भविष्य की चिंता

यादव ऋषिकेश के पार्थिव शरीर को विभागीय प्रक्रिया पूरी होने के बाद सीआरपीएफ की विशेष टीम रहुई थाना लेकर पहुंची। वहां से पूरे सैन्य और राजकीय सम्मान के साथ उनके पैतृक आवास ले जाया गया। अंतिम दर्शन के दौरान पत्नी ममता यादव और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। वर्ष 2004 में शादी के बाद उन्होंने परिवार और देश, दोनों की जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया। उनके परिवार में माता-पिता, पत्नी ममता यादव, करीब दस वर्षीय बेटी मीनाक्षी यादव और दो छोटे भाई हैं। जिस उम्र में बेटी को पिता के सहारे और मार्गदर्शन की सबसे अधिक जरूरत होती है, उसी उम्र में उसके सिर से पिता का साया उठ गया। परिवार के मुख्य सहारे के चले जाने से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

शक्ति सिंह यादव ने मुख्यमंत्री से की विशेष सहायता की मांग

सीआरपीएफ जवान के निधन पर राष्ट्रीय जनता दल के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री और राज्य सरकार से इस मामले में स्वयं संज्ञान लेकर पीड़ित परिवार को विशेष आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि देश की सेवा में अपना जीवन समर्पित करने वाले जवान के निधन से पूरा क्षेत्र मर्माहत है। उनके पीछे एक छोटी बच्ची है, जिसके भविष्य की जिम्मेदारी अब परिवार पर आ गई है। ऐसे में सरकार को सामान्य नियमों से आगे बढ़कर परिवार को विशेष आर्थिक सहायता और अन्य आवश्यक सरकारी सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए। अर्धसैनिक बलों के जवानों का सम्मान करना और उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।

एक जवान की शहादत नहीं, एक परिवार की पूरी दुनिया उजड़ने का दर्द

रहुई की गलियों में शुक्रवार को उमड़ी भीड़ केवल एक जवान को अंतिम विदाई देने नहीं पहुंची थी, बल्कि उस व्यक्ति के प्रति सम्मान जताने आई थी, जिसने अपनी जिंदगी के 25 साल देश की सुरक्षा के नाम कर दिए। उनके जाने से जहां देश ने एक अनुभवी जवान खो दिया, वहीं एक बेटी ने अपना पिता, पत्नी ने अपना जीवनसाथी और माता-पिता ने अपना बेटा खो दिया। अंतिम विदाई के समय गूंजते 'अमर रहें' के नारों के बीच हर किसी की आंखें नम थीं।

564 एकड़ में बनेगा नया औद्योगिक क्षेत्र

नालंदा में 'उद्योग वार्ता' के दौरान उद्यमियों ने खोली समस्याओं की फाइल, डीएम ने बिजली, जल निकासी और बैंक ऋण की अड़चनों पर समयबद्ध कार्रवाई का दिया निर्देश

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ। नालंदा में अब उद्योग लगाने और कारोबार बढ़ाने की राह आसान बनाने की तैयारी है। निवेशकों को बेहतर माहौल देने और उद्यमियों की समस्याओं को दफ्तरों के चक्कर में उलझने से बचाने के लिए जिला प्रशासन ने पहल तेज कर दी है। शुक्रवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित 'उद्योग वार्ता' में जहां जिले के औद्योगिक विकास की संभावनाओं पर चर्चा हुई, वहीं उद्यमियों ने अपनी समस्याएं भी खुलकर रखीं। बैठक में सबसे महत्वपूर्ण जानकारी इस्लामपुर प्रखंड के ब्रह्मगांवा में 564.67 एकड़ जमीन पर नए औद्योगिक क्षेत्र के विकास को लेकर सामने आई। इसके लिए मंत्रिपरिषद से स्वीकृति मिलने की जानकारी दी गई। यह परियोजना जिले में नए निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार की संभावनाओं को बढ़ा सकती है। जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक धनजी कुमार ने बिहार औद्योगिक नीति और उद्योग विभाग की विभिन्न योजनाओं के साथ निवेश की संभावनाओं की जानकारी दी। वहीं, उद्यमियों ने बियाडा के औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली की अनियमितता, जल निकासी की समस्या और बैंकों में ऋण लेने के दौरान दस्तावेजीकरण की जटिलताओं को प्रमुखता से उठाया। जिलाधिकारी ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों और बैंक प्रतिनिधियों को लंबित मामलों का पारदर्शी तरीके से निश्चित समय-सीमा में निष्पादन करने का सख्त निर्देश दिया। साथ ही उद्योगों के लिए बेहतर व्यावसायिक वातावरण और सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रशासनिक प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में एसपी, डीडीसी, जिला उद्योग केंद्र के अधिकारी, बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष और विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।



अब देखना होगा कि उद्योगों की इन समस्याओं पर मिले निर्देश जमीन पर कितनी तेजी से उतरते हैं।

"Learning the practical value of knowledge"
NALANDA VIDYA MANDIR
(A Unit of Magadh Educational Society)
Affiliated to C.B.S.E., New Delhi
N.H.-20, Patasang, P.O.: Amba, P.S.- Bhaganbigha, Dist.: Nalanda, State: Bihar-803119
Mob.: 9570230951, 9570230966, 9835630966
Email: nalandavidyamandir@yahoo.in | Website: www.nvm.edu.in
Come enroll with us and get plugged into the world...!!!
Class Nur. to 10+2
• We develop whats already inside you.
• Co-Education. Wi-Fi Campus.
• Ultra Modern and anti Earthquake Building.
• Transport facility.
• Experienced team of teachers.
• Cashless Fee Deposit facility.
• Multimedia Classroom and Library.
• Advance Science & Computer Lab.
• Medical Facility.
• Spacious Playground for Games & Sports.
• Preparation of competitive Exam from Class-IX.
ADMISSION OPEN 2026



गुरुकुल विद्यापीठ
10+2
गुरूकुल सेवायतन न्यास द्वारा संचालित





राजेन्द्र प्रसाद
प्रधानाध्यापक
पटेल उ.वि. बिहारशरीफ
सहायक शिक्षक
आदर्श उ.वि. बिहारशरीफ



आवासीय सुविधा से युक्त अत्याधुनिक छात्रावास
बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत छात्राओं को विशेष छूट
• पटेल नगर, नईसराय, बिहारशरीफ (नालन्दा)
मोबाइल - 9835473199
• जगदेव नगर, गाजीपुर, बिन्द (नालन्दा)
मोबाइल - 7479559755
www.gurukulvidyapeeth.co | email: gurukulvidyapeethschool@gmail.com

राजगीर महोत्सव में हर्षदीप कौर की आवाज का जादू, सूफियाना सुरों पर झूम उठा पूरा पंडाल

‘दिलबरो’, ‘कतिया करूं’ और ‘हीर’ जैसे गीतों ने बांधा समां

सद्भावना सह विरासत यात्रा से दिया भाईचारे का संदेश; महिला महोत्सव में दिखी नारी शक्ति की प्रतिभा

आइडियासिटी संवाददाता

राजगीर (नालंदा)। पहाड़ों की खूबसूरत वादियों के बीच सजे राजगीर महोत्सव में शुक्रवार की शाम संगीत के नाम रही। बॉलीवुड की मशहूर गायिका हर्षदीप कौर ने अपनी जादुई आवाज और सूफियाना अंदाज से ऐसा समां बांधा कि पूरा पंडाल तालियों और वाहवाही से गूंज उठा। उनकी एक के बाद एक शानदार प्रस्तुतियों पर दर्शक झूमते नजर आए। कभी सूफियाना संगीत की मिठास तो कभी बॉलीवुड के लोकप्रिय गीतों की धुन ने महोत्सव की शाम को यादगार बना दिया। हर्षदीप कौर ने अपने चर्चित गीतों ‘दिलबरो’ (राजी), ‘कतिया करूं’ (रॉकस्टार), ‘हीर’ (जब तक है जान) और ‘जुगनी’ जैसे गीतों से संगीत प्रेमियों का दिल जीत लिया। उनकी दमदार आवाज और भावपूर्ण गायकी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जैसे-जैसे गीतों का सिलसिला आगे बढ़ा, पंडाल में मौजूद लोगों का





उत्साह भी बढ़ता गया। स्थानीय कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियों से सांस्कृतिक संध्या में रंग भर दिया।

जरासंध अखाड़ा से निकली सद्भावना सह विरासत यात्रा

महोत्सव के दूसरे दिन की शुरुआत सामाजिक एकता और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के संदेश के साथ हुई। ऐतिहासिक मगध सम्राट जरासंध अखाड़ा परिसर से सद्भावना सह विरासत यात्रा निकाली गई। अनुमंडल पदाधिकारी सूर्य प्रकाश गुप्ता और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संजीत कुमार गुप्ता ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। यात्रा गृद्धकूट पर्वत के नीचे जाकर संपन्न हुई। इसमें बड़ी संख्या में

नशामुक्त बिहार का आह्वान, महिला महोत्सव में दिखा हुनर

दूसरे दिन ब्रह्माकुमारी के नेतृत्व में नशामुक्त भारत अभियान के तहत नशामुक्त बिहार का संदेश दिया गया। वहीं, महिला सशक्तिकरण को समर्पित महिला महोत्सव में विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं ने अपनी प्रतिभा और हुनर का प्रदर्शन किया। आयोजन ने महिलाओं को अपनी क्षमता दिखाने के लिए एक बेहतर मंच उपलब्ध कराया।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन रहा मुस्तैद

महोत्सव के सफल और शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर जिला एवं अनुमंडल प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। आयोजन स्थल के साथ शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती की गई। सुरक्षा और सुगम यातायात व्यवस्था पर विशेष नजर रखी गई। राजगीर महोत्सव का दूसरा दिन इस तरह संगीत, संस्कृति, सामाजिक सद्भाव और महिला सशक्तिकरण के नाम रहा। हर्षदीप कौर की सुरमयी प्रस्तुति ने जहां शाम को यादगार बनाया, वहीं सद्भावना यात्रा ने राजगीर की ऐतिहासिक पहचान और सांस्कृतिक एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया।

स्थानीय कलाकारों, बुद्धिजीवियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों ने हिस्सा लिया। अधिकारियों ने कहा कि राजगीर केवल विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों का पवित्र संगम है। इसकी ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

प्रदेश अलग, भाषा अलग, लेकिन महिलाओं के दर्द एक जैसे : राजगीर से देशभर में महिला न्याय और सम्मान की नई हुंकार

राज्यों के महिला आयोगों के 105 प्रतिनिधि जुटे, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने किया ‘शक्ति संवाद’ के पांचवें संस्करण का उद्घाटन

मंत्री श्रवण कुमार बोले- बिहार के महिला सशक्तिकरण मॉडल को पूरे देश में अपनाने की जरूरत

आइडियासिटी संवाददाता

राजगीर (नालंदा) । महिलाओं की समस्याएं किसी एक राज्य, शहर या समाज तक सीमित नहीं हैं। कहीं घरेलू हिंसा की पीड़ा है, कहीं कार्यस्थल पर उत्पीड़न का डर, तो कहीं अधिकार और सम्मान के लिए संघर्ष। प्रदेश और परिस्थितियां भले अलग हों, लेकिन महिलाओं के सामने खड़ी चुनौतियां काफी हद तक एक जैसी हैं। इन्हीं चुनौतियों का साझा समाधान तलाशने के लिए शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन नगरी राजगीर में देशभर की महिला आयोगों की प्रतिनिधियां एक मंच पर जुटीं। होटल तथागत अशोक के कॉन्फ्रेंस हॉल में दो दिवसीय राष्ट्रीय ‘शक्ति संवाद’ के पांचवें संस्करण का आगाज हुआ। इस आयोजन में 20 राज्यों के महिला आयोगों के 105 प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग और बिहार राज्य महिला आयोग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सम्मेलन की शुरुआत बिहार राज्य गीत, वंदे मातरम और राष्ट्रगान से



हुई। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर, ग्रामीण विकास सह सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार और बिहार राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष अप्सरा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसके बाद अतिथियों का स्वागत और सम्मान किया गया।

महिलाओं की समस्याएं साझा, समाधान की लड़ाई भी हो एकजुट: विजया रहाटकर

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा कि अलग-अलग राज्यों और आयोगों की अपनी परिस्थितियां हो सकती हैं, लेकिन महिलाओं की समस्याएं और उनकी ताकत एक जैसी हैं। इसलिए सभी राज्य महिला आयोगों को एक दिशा में मिलकर काम करना होगा।

तभी महिलाओं को न्याय, सम्मान और सशक्तिकरण दिलाने के प्रयासों को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि हर चार महीने पर आयोजित होने वाला ‘शक्ति संवाद’ राष्ट्रीय महिला आयोग और राज्य महिला आयोगों के बीच संपर्क, संवाद और अनुभव साझा करने का महत्वपूर्ण मंच है। राजगीर की पवित्र धरती पर इसका आयोजन होना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम से जुड़े पॉश (POSH) कानून का उदाहरण देते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से लगभग सभी राज्यों में इस कानून के क्रियान्वयन को बेहतर दिशा मिली है। इसी तरह दूसरे कानूनों पर भी मिलकर काम किया जाएगा।

1.85 करोड़ महिलाओं को रोजगार से जोड़ने का दावा, बिहार मॉडल की चर्चा

मंत्री श्रवण कुमार ने देशभर से आई महिला प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि महिलाओं को बराबरी का अधिकार, अवसर और सहयोग देने से संभव है। उन्होंने बिहार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बताया कि राज्य में 1 करोड़ 85 लाख महिलाओं को रोजगार से जोड़ा गया है। वहीं 1 लाख 2 हजार महिलाओं के लिए सतत जीविकोपार्जन योजना संचालित है। उन्होंने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायतों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। बिहार देश का पहला ऐसा राज्य है, जहां 40 हजार से अधिक बेटियां पुलिस बल में सिपाही, दरोगा और डीएसपी के पदों पर सेवाएं दे रही हैं। मंत्री ने कहा कि नारी के सहयोग के बिना कोई भी बदलाव अधूरा है। महिलाओं को समान अधिकार और अवसर मिलने से ही परिवार, समाज, राज्य और देश आगे बढ़ेगा।

अयोध्या से श्रीनगर होते हुए राजगीर पहुंचा शक्ति संवाद

राष्ट्रीय महिला आयोग की यह पहल राज्य महिला आयोगों को एक साझा मंच पर लाकर उनके अनुभवों और कार्यप्रणाली को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इसके पहले चार संस्करण अयोध्या, मुंबई, नई दिल्ली और श्रीनगर में आयोजित हो चुके हैं। अब पांचवें संस्करण के लिए राजगीर का चयन किया गया है। दो दिवसीय इस सम्मेलन में महिला अधिकारों, सुरक्षा, न्याय और कल्याण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। अलग-अलग राज्यों से आईं प्रतिनिधियों के अनुभव इस बात की राह तलाशेंगे कि महिलाओं को न्याय दिलाने की व्यवस्था और अधिक प्रभावी कैसे बने। राजगीर की धरती पर शुरू हुआ यह संवाद महज एक राष्ट्रीय सम्मेलन नहीं, बल्कि उन आवाजों को एक मंच देने की कोशिश है, जो अक्सर अपने अधिकारों के लिए अलग-अलग जगहों पर संघर्ष करती हैं। उम्मीद यही है कि यहां होने वाली चर्चा सभागार की चारदीवारी तक सीमित न रहे, बल्कि देश की उन महिलाओं तक पहुंचे, जिन्हें आज भी न्याय, सुरक्षा और सम्मान के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है।

प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता नहीं मिलने से आहत युवक ने की आत्महत्या

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ । प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता नहीं मिलने से आहत नूरसराय निवासी 28 वर्षीय संतोष कुमार की मौत हो गई। वह लहेरी थाना क्षेत्र के शिवपुरी मोहल्ले में किराये के मकान में रहकर प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहा था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

हालांकि, परिजनों ने किसी तरह का आवेदन नहीं दिया और शव का पोस्टमार्टम कराने से भी इनकार कर दिया। लहेरी थानाध्यक्ष अनिल कुमार पांडेय ने बताया कि युवक की मौत की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। पोस्टमार्टम कराने के लिए परिजनों को समझाया गया, लेकिन वे राजी नहीं हुए। परिजनों की ओर से इस मामले में कोई आवेदन नहीं दिया गया है।

राष्ट्रीय मैदान पर बिहार की बेटियों की होगी अग्निपरीक्षा, राजगीर में सजेगा चयन का मैदान

28-29 नवंबर को महिला हॉकी टीम के लिए ट्रायल, कोलकाता में 16 से 27 दिसंबर तक होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चुनी गई खिलाड़ी करेंगी बिहार का प्रतिनिधित्व

आइडियासिटी संवाददाता

पटना । राजगीर हॉकी के मैदान पर बिहार की बेटियों के हुनर को अब राष्ट्रीय पहचान दिलाने की तैयारी है। कोलकाता में होने वाली 16वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए बिहार की टीम गठित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए 28 और 29 नवंबर को राजगीर स्थित राज्य खेल अकादमी में चयन ट्रायल आयोजित किया जाएगा। इस ट्रायल में खिलाड़ियों को अपने खेल कौशल, तकनीक और प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का मौका मिलेगा।

गेविन फरेरा के सामने दिखाना होगा दमखम

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के अनुसार, चयन ट्रायल में शामिल होने वाली महिला खिलाड़ियों को 28 नवंबर को सुबह 11 बजे राजगीर खेल अकादमी में रिपोर्ट करना होगा। खिलाड़ियों को बिहार हॉकी के मुख्य सलाहकार एवं प्रशिक्षक गेविन फरेरा के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। दो दिनों तक चलने वाली चयन प्रक्रिया के आधार पर बिहार की सीनियर महिला हॉकी टीम तैयार की जाएगी।

दिसंबर में कोलकाता में होगी राष्ट्रीय भिड़ंत

16वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन 16 से 27 दिसंबर 2026 तक कोलकाता में होगा। इस प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगी। राजगीर का मैदान अब उन खिलाड़ियों के लिए उम्मीदों का केंद्र बनेगा, जो अपने प्रदर्शन से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना चाहती हैं।

चयन ट्रायल सिर्फ टीम में जगह पाने की परीक्षा नहीं, बल्कि बिहार की महिला हॉकी के लिए नई संभावनाओं का रास्ता भी है।

राजगीर पहुंचे संत गुरुदीप गिरि महाराज, सत्संग में गूंजा मानवता और समानता का संदेश



आइडियासिटी संवाददाता

राजगीर। बुद्ध की पावन धरती और ऐतिहासिक नालंदा में संत गुरुदीप गिरि महाराज का आगमन हुआ। पठानकोट विश्व रविदास गुरुद्वारा के संत गुरुदीप गिरि महाराज का राजगीर स्थित रविदास आश्रम में श्रद्धा और सम्मान के साथ स्वागत किया गया। संत रविदास महाराज की मानवतावादी विचारधारा, प्रेम, समानता और सामाजिक एकता का संदेश देश ही नहीं, बल्कि कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, इटली, ऑस्ट्रिया, ब्राजील और दुबई सहित कई देशों में पहुंचाने में जुटे संत के आगमन पर अनुयायियों में उत्साह दिखा। आश्रम पहुंचने के बाद संत गुरुदीप गिरि महाराज ने संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस दौरान आश्रम के संस्थापक एवं रविदासीय धर्म के जिला अध्यक्ष महंत बलराम दास, रविदासीय धर्म के नालंदा जिला उपाध्यक्ष शंकर दास उर्फ सुरेन दास, अति पिछड़ा, दलित एवं अल्पसंख्यक संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदेव चौधरी और बहुजन समाज पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष शाक्य एकलव्य बौद्ध ने गुलदस्ता, फूल-माला और अंगवस्त्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया। सत्संग के दौरान गुरु रविदास महाराज के विचारों को केंद्र में रखते हुए मानवता, सामाजिक समानता, शिक्षा, सद्भाव और भाईचारे का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने जाति-पाति और भेदभाव से ऊपर उठकर एक-दूसरे के प्रति प्रेम और सम्मान की भावना विकसित करने पर जोर दिया। उपस्थित लोगों ने उम्मीद जताई कि संत गुरुदीप गिरि महाराज के विचारों और मार्गदर्शन से समाज में शिक्षा, जागरूकता और सामाजिक एकता को मजबूती मिलेगी।